हेनरी

कृतिका

Help-Kit

1-5

Henry Books

वर्णमाला

स्वयं करके सीखो-

दो वर्णों के शब्द-

जल	कल
नर	तन
वर	रन
बस	गज

तीन वर्णों के शब्द-

रजत	पहर
जगत	मगर
शहर	रमन
जहर	गमन

चार वर्णों के शब्द-

अजगर	परमल
मलमल	तरकश
कलकल	सतलज
कटहल	मरघट

आ की मात्रा 'ा'

1. कमला पाठशाला टमाटर मायाराम

2.

पल	पाल	पाला
चर	चार	चारा
बल	बाल	बाला
तर	तार	तारा

3. क. ताला ख. मटका ग. टमाटर

'ई' की मात्रा 'ी'

अभ्यास (Exercise)

1. हिंरण किताब खीरा दीपक

2. बना <u>बिना</u> <u>बीना</u>
दन <u>दिन</u> <u>दीन</u>
बन <u>बिन</u> <u>बीन</u>
खल <u>खिल</u> <u>खील</u>

3.

बिटिया	मालकिन	बछिया	नाली	नगरी
लीची	नारियल	पपीता	डाकिया	
किशमिश	छबीली	हाथी	परिवार	
रसीली	ककड़ी	कहानी	रिमझिम	तितली

'ऊ' की मात्रा (ू)

अभ्यास (Exercise)

1. स्वयं कीजिए।

2. बटुआ, सूरज, जादूगर, गुड़िया, मुरली, भालू

3.

सुराही	कपूर
मुरली	कुसुम
बबूल	झूला

'ऋ' की मात्रा (ृ)

अभ्यास (Exercise)

1. गृह, कृषक, वृक्ष, नृप

2.

तृतीय	कृपालु
अमृत	आकृति
सृजन	घृणा

'ऐ' की मात्रा 'ै'

अभ्यास (Exercise)

1. स्वयं कीजिए।

2.

नेवला	सैनिक	थैला
भेड़	बैलगाड़ी	कूड़ेदान

3. स्वयं कीजिए।

'औ' की मात्रा 'ौ'

अभ्यास (Exercise)

1.

जोकर	खेता
पोखर	मोर
तोला	रोता

2. स्वयं कीजिए।

3. स्वयं कीजिए।

4. औरत चौकी खरगोश

र पदेन की मात्रा 'ं'-

अभ्यास (Exercise)

कार्य	प्रभाव
नर्तक	ड्रेस
आकर्षक	राष्ट्र

पाठ-1 बादल

अभ्यास

1. (क) बादल अपने साथ बरखा लाया।
(ख) काला-धोला बादल खुशियों का संदेशा लाया।
(ग) काला-धोला।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) ✓; (ख) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓

4.

काला-धोला	नाचा
रिमझिम	चहकी
चिड़िया	संगीत
मोर	बादल

5. (क) बादल काला-धोला था। वह अपने साथ बरखा लाया।

(ख) जंगल महका, चिड़िया चहकी, मोर नाचा, पपीहा ने गाना गाया।

(ग) मोर बादलों को देखकर खुश होता है।

(घ) वर्षा होने पर पपीहा गाने लगा।

भाषा ज्ञान

6. (क) बादल; (ख) संगीत; (ग) बरखा; (घ) चिड़िया

7. (क) घन, जलद

(ख) वर्षा, बारिश

(ग) वन, अरण्य

(घ) मयूर, केकी

प	घ	न	व	न
व	म	यू	र	बा
र्षा	ज	ल	द	रि
पा	नी	के	की	श
अ	र	ण्य	र	द

8. (क) आज कई दिन के बाद **बादल** हटे थे।

(ख) राम ने जगदीश को **संदेशा** भेजा।

(ग) **मोर** वर्षा होते ही नाचने लगा।

(घ) अमित अपने जन्मदिन पर बहुत **नाचा**।

पाठ-2 लोमड़ी को देखते ही...

अभ्यास

1. (क) शेर की बगल में एक साँप कुँडली मारे सोया पड़ा था।

(ख) खरगोश ने शेर की पूँछ खींची।

(ग) खरगोश।

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) i

3. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓

4. (क) खरगोश ने साँप को देखा।

(ख) खरगोश ने शेर की पूँछ खींचकर उसे जगाया और जान बचाई।

(ग) शेर खरगोश से बोला, ''तुम तो बहुत बहादुर हो यार। मुझसे दोस्ती करोगे? आज से हम दोनों पक्के दोस्त। आज से इस जंगल में कोई तुम्हें परेशान नहीं कर सकता। मज़े से बिना डर के रहो।''

(घ) खरगोश लोमड़ी को देखकर भाग गया।

(ङ) जंगल में एक लोमड़ी निकली। उसे देखते ही खरगोश रफूचक्कर हो गया। शेर ने यह देखा तो उसे बड़ा धक्का लगा।

5.

(क)	शेर	लोमड़ी	चीता	(हिरन)
(ख)	खरगोश	हिरन	(शेर)	ज़िराफ
(ग)	(कोयल)	साँप	केंचुआ	छिपकली
(घ)	शेर	खरगोश	(कौआ)	हाथी

6.

शेर	मादा खरगोश
साँप	शेरनी
खरगोश	बहन
भाई	साँपिन

7. (क) साँप; (ख) जंगल; (ग) कुँडली; (घ) वहाँ (ङ) पूँछ; (च) मैं

पाठ-3 अक्ल का तूंबा

अभ्यास

1. (क) ईरान के बादशाह ने अकबर को संदेश भिजवाया।

(ख) बीरबल को सौंपा गया।

(ग) बीरबल ने तीन ऐसे घड़े बनवाए जिनका मुँह बिल्कुल सँकरा था और आकार काफी बड़ा।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) संदेश; (ख) बीरबल; (ग) सँकरा; (घ) बेवकूफी

4. (क) ईरान के बादशाह ने एक संदेश भिजवाया कि आपके पास नवरत्न हैं। अगर थोड़ी-सी अक्ल भेज दें तो बड़ी कृपा होगी।

(ख) अक्ल भेजने का काम बीरबल को सौंपा गया।

(ग) घड़ों का मुँह सँकरा था और आकार काफी बड़ा था।

(घ) बीरबल न बढ़िया किस्म का तूंबे का बीज मँगाकर उगाया। जब उसमें फल लग गए तो एक-एक फल घड़े में डाल दिया। जब वे फल बढ़कर पूरा तूंबा बन गए तो बीरबल ने उन्हें काट लिया और घड़ों का मुँह बंद करके उन्हें ईरान के बादशाह के पास संदेश भिजवाया कि इन घड़ों से अक्ल निकाल लें और घड़े वापस भेज दें।

(ङ) ईरान का बादशाह अपनी बेवकूफी पर हँसा।

5. (क) पृथक; (ख) वृक्ष; (ग) तृण; (घ) अमृत

6. (क) ईरान; (ख) संदेश; (ग) कृपा; (घ) बादशाह

7.

पास	रोया
बड़ी	अनर्थ
सँकरा	दूर
अर्थ	चौड़ा
हँसा	छोटी

8. (क) घड़ा; (ख) बढ़िया; (ग) बीज

9. (क) **बादशाह** अकबर ने सिपाहियों को आदेश दिया।

(ख) आपका दिल **कृपा** का सागर है।

(ग) रमेश ने बहुत **बेवकूफी** की।

1. घड़ा लिया, 2. मिट्टी डाली, 3. खाद डाली, 4. बीज बोया, 5. पानी दिया।

पाठ-4 बड़े वैद्य जी कहते हैं...

अभ्यास

1. (क) कविता में बिल्ली की शक्ल बनाने को कहा जा रहा है।

(ख) भूरे गुड़ से बनानी है।

(ग) पेट में चूहे दौड़ते रहते हैं।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) ii

3. (क) नाखून हों बादाम के लेकिन

(ख) पंजों में पिस्ता भरवाओ

(ग) सुबह एक और, एक शाम को

(घ) मुँह से म्याऊँ कर खा जाओ

4. (क) कवि खोए से एक बिल्ली बनाने को कह रहा है।

(ख) पेट भर जाएगा।

(ग) बहुत भूख लगना—मीरा के पेट में चूहे दौड़ पड़े।

5. (क) माल; (ख) राम; (ग) पूँछ; (घ) तना; (ङ) साथ; (च) गा

6. खाऊँ, गाऊँ, हसाऊँ, पहनाऊँ

7. (क) अक्ल; (ख) म्याऊँ; (ग) मस्त; (घ) वैद्य; (ङ) तत्त्व; (च) प्याज

पाठ-5 गुरु आखिर गुरु होता है

अभ्यास

1. (क) परीक्षा से बचने के लिए उन्होंने प्रधानाचार्य से झूठ बोला।

   (ख) नहीं, गाड़ी में सच में पंक्चर नहीं हुआ था।

   (ग) कुल दो प्रश्न थे।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) योजना; (ख) आसानी; (ग) विद्यार्थियों; (घ) कमरों

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✗; (ङ) ✗

5. (क) क्योंकि मौज-मस्ती करने के कारण उन्होंने परीक्षा की तैयारी नहीं की थी।

   (ख) उन्होंने प्रिंसिपल साहब को बताया कि कल रात वे चारों एक दोस्त की शादी में गए हुए थे। लौटने में गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। किसी तरह धक्का लगा-लगाकर गाड़ी को यहाँ तक लाए हैं। इतनी थकान है कि बैठना भी संभव नहीं दिखता, पेपर हल करना तो दूर की बात है।

   (ग) परीक्षा देने आए चारों विद्यार्थियों को प्रिंसिपल साहब ने बताया कि यह विशेष परीक्षा केवल उन चारों के लिए ही आयोजित की गई है। चारों को अलग-अलग कमरों में बैठना होगा।

   (घ) जो प्रश्न-पत्र उन्हें दिया गया उसमें केवल दो ही प्रश्न थे—

   प्रश्न 1. आपका नाम क्या है? (2 अंक)

   प्रश्न 2. गाड़ी का कौन-सा टायर पंक्चर हुआ था? (98 अंक)

   अ. अगला बायाँ ब. अगला दायाँ

   स. पिछला बायाँ द. पिछला दायाँ

6. स्वयं कीजिए।

7. स्वयं कीजिए।

8. क्ष क्षत्रिय क्षमता

   त्र त्रिदेव त्रिकाल

   ज्ञ ज्ञानी ज्ञाता

   श्र श्राप श्रमिक

दो पहिये	तीन पहिये	चार पहिये
स्कूटर	रिक्शा	कार
साइकिल	ऑटो	बस
मोटरसाइकिल	ठेला	जीप

- परीक्षाएँ होनी चाहिए।
- प्रश्न-पत्र को अच्छी तरह से पढ़ लेना चाहिए और जो प्रश्न हमें आते हों उन्हें सबसे पहले ही कर लेना चाहिए।

पाठ-6 बाघ का बाप घाघ

अभ्यास

1. (क) गुफा बाघ की थी।

   (ख) गुफा के अंदर कछुआ, साही, गधा और लोमड़ी थे।

   (ग) लोमड़ी ने अपने आप को घाघ बताया।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) वे सब एक गुफा में चले गए।

   (ख) रात होने पर बाघ अपनी गुफा पर पहुँचा।

   (ग) बाघ गुर्राया।

   (घ) वे सब डर गए।

   (ङ) लोमड़ी गुर्राई, मैं हूँ-''घाघ''।

   (च) बाघ अब और भी डर गया।

   (छ) गधा जोर से रेंकने लगा।

   (ज) बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

   (झ) चारों दोस्तों ने रातभर गुफा में आराम किया और अगले दिन वहाँ से चले गए।

4. (क) चारों मित्र एक गुफा में रुके।

   (ख) एक बड़े-से पत्थर को लुढ़काकर उन्होंने गुफा का मुँह बंद कर दिया ताकि कोई और अंदर न आ सके।

   (ग) लोमड़ी ने बाघ से कहा कि ''क्या मैं बाहर आकर तुम्हें खा जाऊँ?'' उसने साही के शरीर से एक काँटा निकालकर बाहर फेंक दिया और कहा कि यह मेरा बाल है तो बाघ डर गया।

   (घ) बाघ को लगा कि गुफा के अंदर जो प्राणी है वह उससे भी अधिक शक्तिशाली है इसलिए वह वहाँ से भाग निकला।

5. बाघ → घर → रथ → थन → नर

   रंक → कल → लग → गम → मर

6.

   घड़ी छाता किताब कुर्सी

7. (क) **बाघ** मांसाहारी होता है।

   बाग में से फूलों की महक आ रही है।

   (ख) आज का **दिन** बहुत शुभ है।

   अमन बहुत **दीन** है।

पाठ-7 दादा जी की सीख

अभ्यास

1. (क) स्वयं कीजिए

2. (क) ii; (ख) i; (ग) i

3. (क) बुरी; (ख) परेशान; (ग) हफ्ते; (घ) दादा

4. रोहन शहर में रहता था

   दादा जी गाँव में रहते थे

   परेशान मम्मी और पापा

   शिकायत शरारतों की

5. (क) रोहन एक शरारती बालक था।

(ख) रोहन के मम्मी-पापा उसकी शरारतों से परेशान थे।

(ग) रोहन के मम्मी-पापा ने उसको दादा जी के पास गाँव भेजने का निश्चय लिया।

(घ) गाँव के लोग रोहन की शिकायतें लेकर दादाजी के पास पहुँच जाते थे।

(ङ) रोहन के बदले हुए व्यवहार से सभी खुश थे।

7. (क) जानवरों को परेशान नहीं करना चाहिए।

(ख) तुम्हें प्रतिदिन स्कूल जाना चाहिए।

(ग) गाँव में दादा जी रहते थे।

(घ) सब रोहन की शैतानी से परेशान थे।

8. (क) गाँव; (ख) अमीर; (ग) अच्छा; (घ) छोटा; (ङ) आसान; (च) ज्यादा

पाठ-8 धूप जनवरी की

अभ्यास

1. (क) कविता में दादा सूरज को कहा गया है।

(ख) भुनी हुई मूँगफली के स्वाद जैसी जनवरी की धूप लगती है।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) iv; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) बहुत तेज धूप होना।

(ख) भुनी हुई मूँगफली के स्वाद जैसी, माँ की गोदी और पापा के दुलार-सी।

(ग) जैसे हमें माँ की गोदी में बैठकर आराम मिलता है वैसे ही धूप में हमें आराम मिलता है।

4. **गर्मी**—हम गर्मियों के मौसम में सूती वस्त्र, पंखे, कूलर, ए.सी. आदि का प्रयोग करते हैं।

बरसात—हम बरसात के मौसम में छाता, रबड़ के जूते, बरसाती आदि का प्रयोग करते हैं।

सर्दी—सर्दियों में हम ऊनी कपड़े जैसे—स्वेटर, टोपी, दस्ताने, मोज़े आदि का प्रयोग करते हैं। ठंड से बचने के लिए आग जलाकर शरीर को सेंकते हैं।

5. (क) ज् + अ + न् + अ + व् + अ + र् + ई; (ख) म् + उ + ट् + ठ् + ई; (ग) द् + उ + ल् + आ + र् + अ

6.

सूरज	सूर्य
घर	गृह
दिन	वार
माँ	माता
पापा	पिता

7.

जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
मई	जून	जुलाई	अगस्त
सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर

- स्वयं कीजिए।
- हमें सर्दियों के मौसम में धूप इसलिए अच्छी लगती है क्योंकि धूप में हमें ठंड नहीं लगती। गर्मियों में इसलिए अच्छी नहीं लगती क्योंकि धूप में पसीना आता है।

पाठ-9 म्याऊँ और लोटा

अभ्यास

1. (क) म्याऊँ।

(ख) बिल्ली का बच्चा खा-खाकर मोटा हो गया।

(ग) बिल्ली माँ अपने बच्चे को समझाती थी।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) शरारती; (ख) रसोईघर; (ग) आवाज; (घ) आँखों; (ङ) बिल्ली

4. (क) बिल्ली के बच्चे ने लोटे में मुँह डाला। दूध नीचे था। उसने पूरा सिर अंदर डाल दिया। गप-गप-गप, सारा दूध पी गया।

(ख) म्याऊँ लोटे को पटकने लगा था क्योंकि उसका सिर फँस गया था।

(ग) उसने म्याऊँ को पकड़ा। बैठकर लोटा पाँवों के बीच में रख, म्याऊँ को खींचा। म्याऊँ का सिर बाहर निकल आया।

(घ) म्याऊँ की आँखों में आँसू थे।

5.

मोटा	पतला
भीतर	बाहर
ऊपर	नीचे

6. (क) मोहन दिन-प्रतिदिन **शरारती** होता जा रहा है।

(ख) मीरा रोज एक गिलास **दूध** पीती है।

(ग) अवनी को **हँसते-हँसते** पेट में दर्द हो गया।

(घ) चोर को उसकी **सजा** तो मिलनी ही थी।

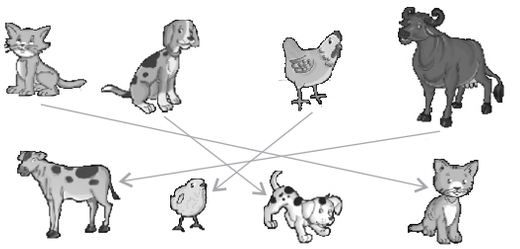

पाठ-10 जादुई कुएँ

अभ्यास

1. (क) राजा कृष्णदेव राय ने कुएँ बनाने का आदेश दिया।

(ख) गाँववालों ने गृहमंत्री की शिकायत तेनालीराम से की।

(ग) तेनालीराम की बात सुनकर दरबारी हँसने लगे।

2. (क) ii; (ख) ii

3. (क) राजा कृष्णदेव राय ने अपने गृहमंत्री को राज्य में अनेक कुएँ बनाने का आदेश दिया।

(ख) गाँववालों ने तेनालीराम से गृहमंत्री की शिकायत की क्योंकि उन्होंने राजा के आदेश के बाद भी कहीं भी कोई कुआँ नहीं बनवाया था।

(ग) तेनालीराम कुछ गाँववालों को अपने साथ लाया जिनमें से एक गाँववाले ने राजा से नगर का निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने पाया कि राजधानी के आस-पास के अन्य स्थानों तथा गाँवों में कोई कुआँ नहीं है।

(घ) अंत में कुएँ बनाने की जिम्मेदारी तेनालीराम को सौंपी गई।

4. (क) आ + द् + ए + श् + अ; (ख) ग् + ऋ + ह् + अ + म् + अं + त्र् + ई; (ग) द् + अ + र् + अ + ब् + आ + र् + ई

5. (क) गाँव; (ख) गृहमंत्री; (ग) परंतु; (घ) हँसने; (ङ) कुएँ; (च) डाँटा

6.

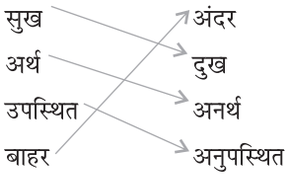

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 चूहा, जिसने लोहे की तराजू ही खा ली

अभ्यास

1. (क) वह बेहद सरल स्वभाव का और कोमल हृदय का था।

(ख) व्यापारी ने तराजू एक सेठ के पास रखी।

(ग) उसने कहा ''क्या बताऊँ भाई, तुम्हारी तराजू को तो चूहे खा गए।''

2. (क) iii; (ख) iii

3. (क) उसने अपनी तराजू को एक सेठ के पास धरोहर के रूप में रख दिया।

(ख) व्यापारी सेठ के लड़के को बहाने से पास ही की एक गुफा में ले गया। उसने लड़के को उस गुफा में छिपा दिया और गुफा का द्वार बंद कर दिया।

(ग) सेठ क्रोधित हो उठा और आग-बबूला होते हुए चिल्लाने लगा, ''तुम झूठ बोल रहे हो। तुम एक नंबर के धोखेबाज हो। कोई बाज इतने बड़े लड़के को उठाकर नहीं ले जा सकता है? यह असंभव है। तुम मेरे पुत्र को वापस ले आओ, वरना मैं राजा से तुम्हारी शिकायत करूँगा।''

(घ) उसने सेठ से कहा, ''तुम इसकी तराजू वापस कर दो, तुम्हें भी तुम्हारा पुत्र मिल जाएगा।''

4. (क) **दुर्भाग्य** में भी वह खुश रहती थी।

(ख) समय बहुत **मूल्यवान** होता है।

(ग) **क्रोधित** व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता।

5. (क) कठोर; (ख) आसान; (ग) फायदा; (घ) ईमानदारी

6.

बहुवचन एकवचन बहुवचन एकवचन

खंड (ब)

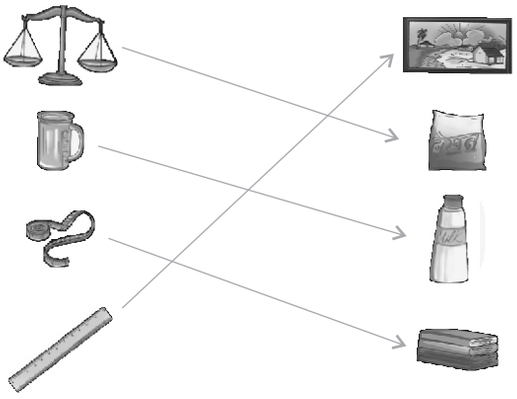

BOOK-2

पाठ-1 आ गई बहार

अभ्यास

1. (क) चिड़ियाँ डाल-डाल पर चहकती हैं।

(ख) बच्चे झूला झूल रहे हैं।

(ग) बादल गरज रहे हैं।

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) iii

3. रिमझिम-रिमझिम पड़ी फुहार
सावन की आ गई बहार।
लगे झूलने बच्चे झूले,
लंबी पेंग बढ़ाकर फूले।
सोंधी-सोंधी मिट्टी महके,
डाल-डाल पर चिड़िया चहके।

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓

5. (क) कविता के अनुसार बारिश आने पर रिमझिम-रिमझिम फुहार पड़ रही है। सावन की बहार आ गई है। बारिश से मिट्टी सोंधी-सोंधी महक रही है।

(ख) गरमी बेहाल होकर भागी।

(ग) पोखर-ताल बारिश से भर गए।

(घ) स्वयं कीजिए।

(ङ) मोर वन में नाचा।

6. (क) बहार; (ख) चहके; (ग) फूले; (घ) मोर

7. (क) जंगल, अरण्य; (ख) मयूर, मेहप्रिय; (ग) सरोवर, ताल

8. (क) पक्षी पेड़ की डाल पर बैठा है।

जग में जल डाल दीजिए।

(ख) लोमड़ी जंगल से भागी।

कृष्णा का मित्र भी कृष्णा की शरारत में बराबर का भागी है।

पाठ-2 हिस्सा बाँटो

खंड-अ

1. (क) दोनों भाइयों के नाम तेजराम और भोलू थे। (ख) घर का खर्चा भोलू चलाता था। (ग) रास्ते में भोलू को गाँव का मुखिया मिला।

2. (क) तेजराम, (ख) ये सभी (ग) दिन में, (घ) मुखिया के

3.

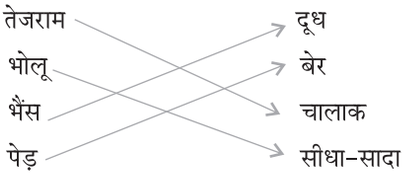

4. (क) घर (ख) आप बीती (ग) मुखिया (घ) ठिठुरता (ङ) खुशी

5. (क) भोलू ने आपबीती गाँव के मुखिया को बताई। (ख) जब मुखिया ने भोलू को समझाते हुए कहा कि, ''तुम तेजराम से कहो कि कुछ काम-धंधा करे या हिस्सा आधा-आधा कर ले'' तो मुखिया की यह बात भोलू को जँच गई। (ग) तेजराम ने बँटवारा किया कि भैंस का अगला हिस्सा तेरा तथा पिछला मेरा, बेर के पेड़ की जड़ तेरी और ऊपर का हिस्सा मेरा और रजाई दिन में तेरी और रात को मेरी।'' (घ) बँटवारा होने पर भी भोलू इसलिए परेशान था क्योंकि तेजराम उसके साथ बेईमानी कर रहा था। इसलिए वह उसे न दूध पीने देता, न बेर खाने देता और न ही रात में रजाई ओढ़ने देता। (ङ) भोलू जब दिन भर काम करके लौटा तो उसने देखा कि घर में खाने के लिए कुछ नहीं है। सारा खाना तेजराम ने अकेले ही खा लिया।

6. मैं, वह, मुझे

7. मूखिया — मुखिया खुसी — खुशी, आंसु — आँसू
चलाकी — चालाकी, बेइमानी — बेईमानी, शुबह— सुबह

8. अँगूठा दिखाना → मना कर देना आँखों का तारा → बहुत प्यारा
जी चुराना → काम से बचना नौ-दो ग्यारह होना → भाग जाना

• आँखों का तारा — चिंटू अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।

नौ-दो ग्यारह होना — पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गए।

• 1. नहीं, तेजराम को अपने भाई के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था।

2. हमें अपने भाई-बहन के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए। कोई भी चीज हो उसे बराबर-बराबर ही बाँटना चाहिए और आपस में प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

3. स्वयं कीजिए। 4. स्वयं कीजिए।

पाठ-3 चूहा डर गया

अभ्यास

1. (क) पेंसिल (ख) चूहा पेंसिल लेकर अपने बिल में चला गया।
(ग) पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बनाया।
(घ) चूहा बिल्ली के चित्र से डर गया।

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii

3. (क) पेंसिल ने।
क्योंकि चूहा पेंसिल को कुतरना चाहता था।
चूहे से।
(ख) चूहे ने।
क्योंकि पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बना दिया था।
पेंसिल से।

4. (क) खाना ढूँढ़ते-ढूँढ़ते चूहे को एक पेंसिल मिली।
(ख) चूहे ने पेंसिल को कुतरना शुरू कर दिया।
(ग) पेंसिल को दर्द हो रहा था इसलिए उसने चूहे से एक आखिरी चित्र बनाने के लिए पूछा।
(घ) पेंसिल ने सबसे पहले एक गोला बनाया।
(ङ) चित्र बनाते-बनाते पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बना दिया था।
(च) बिल्ले का चित्र देखकर चूहा अपने बिल में घुस गया।

5. (क) चूहे को अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए कुछ-न-कुछ कुतरना पड़ता है इसलिए चूहा पेंसिल को कुतरना चाहता था।
(ख) खरगोश, गिलहरी।
(ग) पेंसिल ने चूहे से कहा कि मुझे कुतरने से पहले एक आखिरी चित्र बनाने दो।
(घ) पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बनाया।
(ङ) पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बनाया जिससे चूहा डरता है, इस कारण वह डरकर भाग गया।
(च) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें मुश्किल समय में भी बुद्धिमानी से कार्य करना चाहिए।

6. ढूँढ़, पेंसिल, दाँत, कहेंगे, उन्हें, अंदर, लंबी, मूँछ, मुँह

7. (क) प् + अ + न् + ई + र् + अ; (ख) प् + ऐ + न् + इ + स् + ल् + अ; (ग) ब् + इ + ल् + ल् + ई; (घ) अ + ज् + ई + ब + अ

8. (क) पेंसिलें; (ख) पत्ते; (ग) बिल्लियाँ; (घ) लकड़ियाँ

9. गिड़गिड़ाकर; चहचहाकर; घबराकर; पुकारकर; हिलाकर; मुस्कराकर

पाठ-4 आसमान में कितने तारे

अभ्यास

खंड-अ

2. (क) तारे रात को दिखाई देते हैं।
(ख) पृथ्वी से दूर होने के कारण तारे छोटे दिखाई देते हैं।
(ग) नहीं हम तारों को नहीं गिन सकते।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i

3. (क) बात पुरानी; (ख) सही निशानी; (ग) क्या जाना; (घ) इनकी राम

4.

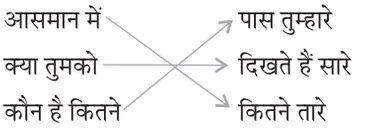

5. (क) हाँ।
(ख) तारे दिन में दिखाई नहीं देते हैं क्योंकि दिन में सूरज निकलता है जिस कारण तारे छिप जाते हैं।
(ग) 'कुछ की लेकिन सही निशानी' का अर्थ है कि सभी तारों के नाम और जगह निश्चित नहीं हैं लेकिन कुछ तारों के निश्चित हैं। इसलिए कुछ की है लेकिन सही निशानी है।
(घ) 'हर तारे की बात पुरानी' कवि ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि तारे बहुत प्राचीन समय से हैं।

6. आ — समान → आसमान; काश → आकाश; दर → आदर
ओ — स → ओस; खली → ओखली; र → ओर

7. (क) इतने; (ख) मात; (ग) निशानी; (घ) मौन

पाठ-5 चूँ-चूँ

अभ्यास

1. (क) चिड़िया का घोंसला पेड़ पर था।
(ख) चिड़िया के बच्चे का नाम चूँ-चूँ था।
(ग) चूँ-चूँ ने बिल्ली की सारी बातें चिड़िया को बताई।
(घ) हाँ, हम भी अपनी माँ का कहना मानते हैं।

2. (क) चिड़िया चूँ-चूँ के लिए दाना-चुग्गा लाती थी।
(ख) पंख निकल आने पर चूँ-चूँ थोड़ा उड़ने लगा और पेड़ की डालों पर घूमने लगा।
(ग) पेड़ सीधा था, इसलिए बिल्ली पेड़ पर नहीं चढ़ सकी।
(घ) बिल्ली ने चूँ-चूँ से कहाँ कि मैं तुम्हारी मौसी हूँ, आओ मेरी गोद में आ जाओ। मैं तुम्हें एक कहानी सुनाऊँगी।

3. (क) (iii) चूँ-चूँ, (ख) (iii) पेड़ सीधा था, (ग) (i) चिड़िया को (घ) (ii) अच्छे बच्चे

4. (क) चिड़िया ने चूँ-चूँ से कहा
(ख) बिल्ली ने अपने आप से कहा
(ग) बिल्ली ने चूँ-चूँ से कहा
(घ) चिड़िया ने चूँ-चूँ से कहा

5. (क) तो चिड़िया और चूँ-चूँ भूखे रह जाते।
(ख) तो बिल्ली चूँ-चूँ को खा जाती।
(ग) तो बिल्ली चूँ-चूँ को खा जाती।

6. (क) चूँ-चूँ (ख) बिल्ली (ग) कोशिश (घ) कहानी (ङ) माँ

7. (क) कम (ख) नफरत (ग) ज्यादा (घ) उल्टा

8. (क) पेड़ के ऊपर एक **घोंसला** था।
(ख) चिड़िया चूँ-चूँ से बहुत **प्यार** करती थी।
(ग) चिड़िया **दाना-चुग्गा** लेने गई थी।

पाठ-6 एक चिट्ठी

अभ्यास

1. (क) अम्मू कुट्टी ने अपनी मौसी को पत्र लिखा।
(ख) अम्मू कुट्टी ने खिड़की से समुद्र को देखा।
(ग) मनि कुट्टी एक छोटी बच्ची है।

2. (क) i; (ख) iii; (ग) i

3. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓; (ङ) ✓

4. (क) अम्मूकुट्टी को खिड़की के पास सीट मिली और उसने समुद्र देखा।
(ख) अम्मूकुट्टी को यह बुरा लगा कि वे समुद्र में खेल नहीं सकते थे।
(ग) मनिकुट्टी एम गीतांजलि से शादी करना चाहती है क्योंकि वह उसे उसकी अम्मा की तरह पीटती-वीटती नहीं है और न उनकी तरह चिल्लाती है।
(घ) अम्मूकुट्टी को मैंगो बार आइसक्रीम पसंद है।
(ङ) स्वयं कीजिए।

5. (क) हमें बैठने के लिए भी सीट नहीं मिली।
(ख) मैं तुमसे शादी नहीं कर सकती।
(ग) उसे तुम बहुत पसंद आई।
(घ) मुझे मैंगो बार बहुत अच्छी लगती है।
(ङ) तुम देखोगी तो तुम्हारा भी मन कर जाएगा।

6. (क) अम्मा, मम्मी; (ख) हट्टा, कुट्टी; (ग) गुब्बारा, डिब्बा; (घ) मुन्ना, अन्न; (ङ) कुत्ता, पत्ता

7. (क) कि, इसलिए; (ख) कि; (ग) तो

पाठ-7 एक-दूसरे की मदद करो

अभ्यास

1. (क) हमें दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।
(ख) मधुक्खियों ने छत्ते में शहद इकट्ठा करना शुरू किया।
(ग) नहीं, हमें अपने ताकतवर होने पर घमंड नहीं करना चाहिए।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) एकांत; (ख) प्रार्थना; (ग) सहायक; (घ) काँपने (ङ) धन्यवाद; (च) मदद

4.

नीम का पेड़	बड़े प्यार से बोला।
रानी मधुमक्खी ने	नीम का पेड़।
आम का पेड़	बहुत घमंडी था।
फूट-फूट कर रोया	मदद करनी चाहिए।
एक-दूसरे की	नीम से सहायता माँगी।

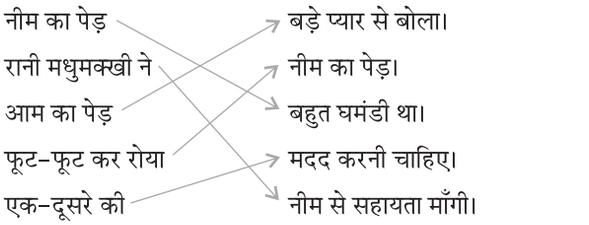

5. (क) नीम और आम का पेड़ शहर से दूर एकांत स्थान पर थे।
(ख) नीम के पेड़ को अपने ऊँचे और घने होने का बहुत घमंड था।
(ग) रानी मधुमक्खी ने नीम के पेड़ से उसकी डाल पर छत्ता बनाने की प्रार्थना की।
(घ) एक दिन दो-तीन आदमी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर पेड़ काटने आए।
(ङ) तीसरे आदमी ने आम के पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता देखकर उसे काटने से मना कर दिया।
(च) जीवन में सुख एक-दूसरे की मदद करने से ही मिलता है।

6.

पड़ौसी	पड़ोसि	(पड़ोसी)
(प्रभाव)	प्राभव	प्राभाव
छात्ता	(छत्ता)	छातता
मज़बुत	मज़ाबूत	(मज़बूत)

7. (क) नीम का पेड़ बहुत कमज़ोर था।
(ख) रानी मधुमक्खी ने बड़े कड़वे स्वर में कहा।
(ग) नीम का पेड़ जोर-जोर से हँसने लगा।
(घ) एक-दूसरे की मदद न करने से जीवन में दुख मिलता है।

पाठ-8 गड़ा खजाना

अभ्यास

1. (क) तीन (ख) आलसी (ग) मेहनत करना।

2. (क) ii (ख) i (ग) ii

3. (क) किसान के बेटों ने।
क्योंकि उन्हें खेत में कहीं खजाना नहीं मिला।
किसान से।

(ख) किसान ने।
क्योंकि उसने अपने बेटों से खजाना देने को कहा था और उनकी फसल बहुत अच्छी हुई थी।
अपने बेटों से।

4.

तीनों ही जवान	खजाना नहीं मिला।
पिता की कमाई	गर्व से अपने पिता को लहलहाती फसल दिखाई।
उन्हें कहीं भी	और हट्टे-कट्टे थे।
तीनों बेटों ने बड़े	उड़ाने में उन्हें बड़ा मज़ा आता था।

5. (क) किसान के लड़के जवान और हट्टे-कट्टे थे पर वे बहुत ही आलसी थे।

(ख) किसान ने लड़कों से कहा, ''तुम लोगों के लिए मैंने अपने खेत में छोटा-मोटा खजाना गाड़ रखा है। तुम लोग खेत खोद डालो और उस खजाने को आपस में बाँट लो।''

(ग) धन पाने के लिए लड़कों ने खेत की एक-एक इंच जमीन खोद डाली।

(घ) लड़कों को उनके परिश्रम का फल लहलहाती फसल के रूप में मिला।

(ङ) इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

6. (क) रंग-बिरंगी पतंग उड़ रही हैं।
(ख) पेड़ पर दो तोते बैठे हैं।
(ग) माँ ने एक किलो सेब लिए।
(घ) पानी ठंडा है।
(ङ) एक दर्जन केले मेज पर रखे हैं।

7. (क) जवान; (ख) वियोग; (ग) परिश्रमी; (घ) बड़ा; (ङ) पतला; (च) रात

8. (क) प् + ऐ + द् + आ + व् + आ + र् + अ; (ख) श् + ओ + भ् + आ; (ग) क् + इ + स् + आ + न + अ; (घ) म् + ए + ह् + अ + न् + अ + त् + अ; (ङ) आ + ल् + अ + स् + ई

9. (क) हमें कड़ी **मेहनत** करनी चाहिए।
(ख) किसान के पास गड़ा **खजाना** था।
(ग) खजाना न मिलने पर लड़के **निराश** हो गए।
(घ) भारत की जीत बड़े **गर्व** की बात है।
(ङ) **संयोग** से इस बार अच्छी वर्षा हुई।

पाठ-9 झाँक रही है खिड़की छत से

अभ्यास

1. (क) खिड़की झाँक रही है। (ख) आँगन में कुर्सी पसरी हुई है। (ग) गाल गुब्बारे ने फुलाए हैं।

2. (क) हवा को, (ख) छत (ग) साइकिल के समान

3. (क) कुर्सी परसी घर आँगन में (ख) गुब्बारे के फूले गाल (ग) चोटी गूँथ रही है माला (घ) किस्मत खोल रही है ताला (ङ) टपक रही है छत।

4. (क) कवि को खिड़की छत से झाँकती हुई लग रही है। (ख) माला चोटी गूँथ रही है। (ग) सपने हर दिन जाला बुनते हैं।

5. झाँक—आँक, बंद —छंद, जाला — ताला, घड़ी — छड़ी , रोटी — छोटी, नदी — सदी, हवा — दवा

6. गुब्बारा — गुब्बारे, दरवाजा — दरवाजे, जाला — जाले, घड़ी — घड़ियाँ

- रात को आकाश में निकला चाँद ऐसा लगता है मानो वह हमसे बातें करने की कोशिश कर रहा हो।
- स्वयं कीजिए।

पाठ-10 पतीले का बच्चा

अभ्यास

1. (क) लालची (ख) बीरबल से (ग) पतीला

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iv

3. (क) शहर के लोग लालची बरतनों के दुकानदार की शिकायत लेकर बीरबल के पास गए।

(ख) बीरबल ने दुकानदार से तीन बड़े-बड़े पतीले खरीदे।

(ग) बीरबल ने एक छोटी सी पतीली दुकानदार को देकर कहा कि यह पतीली आपके पतीलों का बच्चा है। यह सुनकर दुकानदार बहुत खुश हुआ।

(घ) बीरबल ने दुकानदार के पास एक पतीला ले जाकर कहा कि मुझे मेरे पैसे वापस दे दो। जब दुकानदार ने कहा कि उसने तीन पतीले दिए थे तो बीरबल ने कहा कि बाकी दो पतीलों की मृत्यु हो गई है। इस प्रकार बीरबल ने दुकानदार को सबक सिखाया।

(ङ) दुकानदार ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बीरबल ने दुकानदार से पतीलों की मृत्यु होने की बात कही।

4. हवलदार, चौकीदार, किरायेदार

5. (क) दुकानदार सभी गाँववालों को **उल्लू बनाता** था।
(ख) अपने शत्रु को सामने देखकर रोहित **लाल-पीला** हो गया।
(ग) बच्चों ने शोर मचाकर अध्यापक की **नाक में दम** कर दिया।

6.

(र)	रोटी	रात	रोना
(्र)	भ्रम	क्रम	ग्राम
(र्)	दर्पण	अर्पण	वर्षा

7. (क) श्रीमती; (ख) गुणवती; (ग) आयुष्मती; (घ) बलवती

पाठ-11 गीदड़ की गवाही

अभ्यास

1. (क) जंगल से (ख) गीदड़ (ग) पंसारी पर क्योंकि वह उनके घोड़े को अपना घोड़ा बता रहा था।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) खूँटे; (ख) पड़ोसियों; (ग) न्यायाधीश; (घ) हवालात

4. गीदड़ → टस-से-मस नहीं हुआ।
मामला → अदालत तक पहुँचा।
पड़ोसियों → ने पंसारी के पक्ष में गवाही दी।
राजकुमार का गवाह → गीदड़ था।

5. (क) राजकुमार ने रात पंसारी के यहाँ गुजारी।
(ख) राजकुमार व पंसारी के बीच झगड़े का कारण घोड़ा था।
(ग) पड़ोसियों ने पंसारी के पक्ष में गवाही दी।
(घ) राजकुमार का गवाह गीदड़ था।
(ङ) न्यायाधीश के सबूत माँगने पर गीदड़ ने कहा कि नदी में आग लगने की वजह से सबूत जल गया।
(च) जब गीदड़ ने नदी में आग लगने की बात कही तो न्यायाधीश को गीदड़ की बात पर क्रोध आया।

6. (क) राजकुमार, राजदरबार, राजमहल, महाराज
(ख) प्रहार, उपहार, पालनहार, आहार
(ग) अपमान, सम्मान, मेहमान
(घ) पराजय, अजय, विजय

7. (क) राजकुमार; (ख) गंगाजल; (ग) राजमहल; (घ) दीनानाथ; (ङ) सेनापति; (च) प्रेमासागर

8. (क) पथ, मार्ग; (ख) पूजा, अर्चना; (ग) अश्व, घोटक; (घ) रात्रि, निशा; (ङ) आदेश, निर्देश

9. (क) राजकुमारों को गुस्सा आया।
(ख) घोड़े खूँटे से बाँध दिए।
(ग) न्यायाधीशों ने राजकुमार को भी गवाह पेश करने को कहा।

पाठ-12 बिल्ली के गले में घंटी

अभ्यास

1. (क) दुकान में (ख) बिल्ली पाल ली। (ग) चूहों ने बिल्ली से छुटकारा पाने के लिए।

2. (क) iv; (ख) i; (ग) i

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓

4. (क) नुकसान; (ख) पकड़ती, मारकर; (ग) चूहों; (घ) समर्थन

5. (क) पंसारी चूहों से परेशान था।
(ख) चूहों से छुटकारा पाने के लिए पंसारी एक बिल्ली ले आया।
(ग) बिल्ली से छुटकारा पाने के लिए चूहों ने सभा बुलाई।
(घ) बिल्ली से छुटकारा पाने के लिए चूहे ने सुझाव दिया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँध देनी चाहिए।
(ङ) जब बूढ़े चूहे ने कहा कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधेगा कौन! यह सुनकर सभी चूहे एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे।

6. (क) दुकानदार से सामान ले आओ।
ईश्वर की नजर में सभी प्राणी एक समान हैं।
(ख) लोमड़ी एक चालाक जानवर है।
रोहित के पिता विमान चालक हैं।

7. (र) पंसारी चतुर मधुर चोर
(र्) फुर्ती कुर्ता वर्षा मूर्ख
(्र) ब्रेड ग्रह भ्रम क्रम

8. (क) लाभ; (ख) विरोध; (ग) पतली; (घ) असावधान

पाठ-13 नए साल का उत्सव

अभ्यास

1. (क) नए साल की
(ख) नए साल की पार्टी थी। पार्टी में नाचने गाने व खाने पीने का आयोजन किया गया था।
(ग) पार्टी का इंतजाम सीमा और सनी के घर पर था।

2. (क) ii; (ख) iii

3. (क) सीमा ने शालू आंटी से; (ख) सीमा ने सनी से; (ग) डॉक्टर ने सनी की माँ से

4. (क) सीमा और सनी दोस्त थे। नए साल की पार्टी के लिए उनके घर पर दोस्त और रिश्तेदार आए थे।
(ख) पैर फिसलने के कारण सनी गिर गया जिससे उसे चोट लगी।
(ग) सीमा ने शालू आंटी से पूछा कि ''क्या आपने मेरी या सनी की माँ को देखा है?''
(घ) शालू आंटी ने सीमा से कहा कि ''नहीं, उन्होंने उसकी या सनी की माँ को देखा नहीं है किंतु वह उन्हें खोजकर सनी के गिरने की बात बता देंगी।''
(ङ) सीमा ने सनी को दिलासा देते हुए कहा कि ''रो मत सनी। अभी माँ आ जाएगी और फिर वे डॉक्टर के पास जाएँगे। तुम तो मेरे बहादुर दोस्त हो। बहादुर बच्चे कभी नहीं रोते।''
(च) जगन काका डॉक्टर थे।

5. (क) वह माँ को देखने हॉल की ओर दौड़ी।
(ख) सनी गिर गया।
(ग) बहादुर बच्चे कभी नहीं रोते।
(घ) सब लोग पाटी में आ गए।

6. डॉक्टर, फ्रॉक, ऑफिस, बॉल

7. हॉल, डॉक्टर, पार्टी, आंटी

8. (क) इसे ज़्यादा चोट नहीं आई है।
(ख) सीमा ने कहा, ''रो मत सनी!''
(ग) उसकी समझ में नहीं आया कि वह क्या करे।
(घ) पार्टी में नाच-गाना था, खाना-पीना था।

पाठ-14 नन्हा चींटा

अभ्यास

1. (क) बिल से बाहर एक नन्हा काला चींटा आया।
(ख) चींटे को उसकी माँ ने गले लगाया।
(ग) माँ ने कहा कि इस मिठाई को तुम सब मिल-जुलकर खाओ।

2. (क) चीनी पर, (ख) मिठाई को (ग) माँ ने

3. नन्हा काला एक चींटा, बिल से बाहर आया ।
चीनी का एक दाना देखा, मन उसका ललचाया।।
इधर-उधर फिर ताका उसने, झटपट दौड़ा आया।

चाट-चाटकर उसने पूरा, चीनी का दाना खाया।।

4. (क) बिल से बाहर आकर चींटे ने एक चीनी का दाना देखा और वह उसके पास दौड़ा आया तथा चाट-चाटकर पूरा चीनी का दाना खा गया।

(ख) मेहनत करते हुए देखकर माँ ने चींटे को गले लगाया।

5. (क) बाहर — नन्हा काला चींटा बिल से बाहर आया।
बारह — आकाश के पापा रात बारह बजे दिल्ली से आए।

(ख) दाना — चींटे ने बिल के बाहर एक चीनी का दाना देखा।
दान — हमें गरीबों को कंबल दान करने चाहिए।

(ग) मन — प्रिया का मन बहुत चंचल है।
मान — हमें अपने-से बड़ों की बात का मान रखना चाहिए।

पाठ-15 क्रिसमस केक

अभ्यास

1. (क) क्रिसमस 25 दिसंबर को मनाया जाता है।

(ख) क्रिसमस मनाने की।

(ग) अपने दादा जी के साथ।

2. (क) iv; (ख) iv; (ग) ii; (घ) iii

3. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗

4. (क) बालक क्रिसमस अपने दादा जी के साथ मनाना चाहता था।

(ख) बालक ने बूढ़े व्यक्ति को अपना केक देकर उसकी मदद की।

(ग) बालक ने दरवाज़ा खोला तो देखा कि एक तेजस्वी (देवदूत) सफेद कपड़े पहने सामने खड़ा है।

(घ) ''तुमने सही अर्थों में क्रिसमस मनाया है'' का तात्पर्य यह है कि उस बच्चे ने एक गरीब, असहाय और भूख से तड़पते व्यक्ति का पेट भरकर एक नेक कार्य किया है।

5. (क) अन्न, मुन्ना; (ख) लच्छा, अच्छा; (ग) आत्मा, परमात्मा; (घ) मस्ती, हस्ती

6. (क) अंतरात्मा; (ख) रत्नाकर; (ग) हिमालय; (घ) अनाथालय; (ङ) गजानन; (च) देवालय

7. (क) एक बूढ़ी दादी जी हैं।

(ख) बेटी! भगवान तुम्हारा भला करें।

(ग) यह बूढ़ी लाचार है।

8.

उप	हार	उपहार	अ	सहाय	असहाय
	कार	उपकार		समान	असमान
	हास	उपहास		भाव	अभाव

पाठ-16 शरारती गोपी

अभ्यास

खंड-अ

1. (क) गाँव के सारे लोग गोपी की झूठ बोलने की आदत से परेशान थे।

(ख) हमें बार-बार झूठ नहीं बोलना चाहिए क्योंकि झूठ बोलने पर कोई भी किसी का विश्वास नहीं करता। (ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) i जंगल में; (ख) ii शरारती; (ग) ii भेड़िए ने; (घ) i झूठ

3. (क) चराने; (ख) डर; (ग) खूँखार; (घ) चिल्लाता; (ङ) कसम

4.

शरारती	गोपी
खूँखार	भेड़िया
घायल	भेड़ें
झूठ से परेशान	गाँव वाले

5. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓; (ङ) ✓

6. (क) गोपी एक शरारती चरवाहा था। वह सदैव झूठ बोलता था।

(ख) गोपी को दूसरों को सताने में बड़ा ही मजा आता था। वह हमेशा किसी-न-किसी को परेशान करता था।

(ग) गाँव वाले गोपी की झूठ बोलने की आदत से परेशान थे।

(घ) गाँव वालों ने निश्चय किया कि गोपी कभी भी चिल्लाएगा तो कोई उसकी सहायता के लिए नहीं जाएगा।

(ङ) भेड़िए के आने पर गाँववालों ने गोपी की सहायता इसलिए नहीं की क्योंकि वह सदैव झूठ बोलकर गाँववालों को परेशान करता रहता था।

(च) गोपी ने कसम खाई कि वह जीवन में फिर कभी झूठ नहीं बोलेगा और हमेशा बड़ों का कहना मानेगा।

7. (ख) तेज; (ग) सच्चा; (घ) सुबह; (ङ) रात; (च) कम; (छ) भला; (ज) रोना

8. आदत - झूठ बोलना बुरी **आदत** है।

जंगल - मेरे गाँव के समीप घना **जंगल** है।

हमला - शेर ने हिरन पर **हमला** कर दिया।

भेड़ों - भेड़िए ने **भेड़ों** पर हमला बोल दिया।

शरारत - शशांक बचपन में बहुत **शरारत** करता था।

विश्वास - मुझे **विश्वास** है कि वह दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम आएगा।

9.

सोना जागना नहाना पकाना

खाना पढ़ना दौड़ना कूदना

पाठ्येतर गतिविधि

झूठ बोलना एक बुरी आदत होती हैं। झूठी बातों पर कोई भी विश्वास नहीं करता और झूठ बोलने वाले को भी सब झूठा ही समझते हैं। झूठे व्यक्ति का कोई सम्मान नहीं करता, सब उसकी निंदा ही करते हैं। मुसीबत पड़ने पर कोई भी झूठे व्यक्ति की मदद नहीं करता।

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 छोटे भीम का हाथ

अभ्यास

1. (क) शालिग्राम कक्षा दो में पढ़ते थे।

(ख) शालिग्राम रोजाना नए-नए पकवान बनवाने की फरमाइश करता था।

(ग) सल्लू की बहनों के सिम्मी और टिम्मी नाम थे।

(घ) बच्चों का दिन-भर टी०वी० देखना, ना पढ़ना, ना ही ठीक समय पर

खाना खाने की आदतों से मम्मी-पापा परेशान रहते थे।

2. (क) ii शैतान; (ख) iii टी०वी० देखने; (ग) iii भीम भैया ने
3. (क) शौक; (ख) भूल; (ग) हॉर्न; (घ) कार्टून
4. ठाठ — निराले
   लँच बॉक्स — पकवान
   मटर-पनीर — सब्जी
   स्कूल बस — हॉर्न
   कार्टून चैनल — टी०वी०
5. (क) बच्चे अगर टी०वी० कार्यक्रम कम देखते और पढ़ाई ज्यादा करते तो छोटा भीम उनको नहीं डाँटता।
   (ख) यदि छोटा भीम हाथ न पकड़ता तो बच्चे कार्टून छोड़ कर पढ़ाई शुरू नहीं करते।
   (ग) यदि स्कूल बस केवल एक बार हॉर्न बजाती तो बच्चों की बस छूट जाती।
6. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗
7. (क) बच्चे ज्यादा टी०वी० देखते और पढ़ाई कम करते थे इसलिए परीक्षा में नंबर कम आते थे।
   (ख) भीम ने बच्चों से कार्टून छोड़कर पढ़ाई करने एवं सारे काम सही समय पर करने का प्रॉमिस लिया।
   (ग) ज्यादा टी०वी० देखने से आँखें खराब हो जाती हैं।
   (घ) एक दिन टी०वी० स्क्रीन से छोटे भीम का हाथ निकला।
8. (क) दरिद्रता; (ख) कल; (ग) बड़ा; (घ) खुश
9. (क) **विद्यार्थी** को सभी कार्य समय पर करने चाहिए।
   (ख) **लंच-बॉक्स** में खाना रखा जाता है।
   (ग) राजू की **शैतानी** बढ़ती जा रही थी।
   (घ) रामू की चोट में **दर्द** है।
10. (क) कक्षाएँ; (ख) विद्यार्थियों; (ग) बस्ते; (घ) आँखें
11. (क) आदर; (ख) मुश्किल; (ग) गरीब; (घ) भाई

BOOK-3

पाठ-1 फ़र्श पर ....

अभ्यास

खंड-अ

1. (क) चिड़िया फर्श पर तिनका डाल जाती है।
   (ख) सूरज
   (ग) फर्श पर
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii
3. चिड़िया आती है,
   डाल जाती तिनके फ़र्श पर।
   हवा आती है,
   बिखेर जाती धूल फ़र्श पर।
   सूरज आता है,
   सजा जाता चिंदियाँ फ़र्श पर।
   मुन्ना आता है,
   उलट देता कटोरी फ़र्श पर।
4. (क) कविता फ़र्श के बारे में है।
   (ख) हवा आकर फ़र्श पर धूल बिखेर जाती है।
   (ग) पिताजी आकर फ़र्श पर जूते उतारते हैं।
   (घ) मुन्ना फ़र्श पर कटोरी उलट देता है।
   (ङ) सूरज आता है और फ़र्श पर चिंदियाँ सजाता है।
5. (क) वायु, पवन, समीर
   (ख) रवि, भास्कर, दिवाकर
   (ग) अंबर, आकाश, गगन
6. ज़ रोज़; ज़मीन; चीज़; दर्ज़ी
   फ़ फ़र्श; फ़सल; फ़र्जी; काफ़ी
7. (क) जाती; (ख) गन्ना; (ग) चटोरी; (घ) ताल; (ङ) मोज़; (च) अर्श

पाठ-2 तीन बिल्लियाँ

अभ्यास

1. (क) तीन (ख) जब चित्रकार सो जाता तब तीनों बिल्लियों में आराम से बैठने की कशमकश शुरू हो जाती। (ग) बिल्लियों के
2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii
3. (क) अब तस्वीर; (ख) चित्रकार; (ग) सिमटकर; (घ) दोस्ताना
4. (क) बिल्लियों को इधर-उधर कूदता-फाँदता देखकर चित्रकार को गुस्सा आया।
   (ख) बिल्लियों को लगने लगा कि वो सिमटकर बक्से के आकार की हुई जा रही हैं, जैसे उन्हें तस्वीर से काटा जा रहा हो इसलिए बिल्लियाँ तस्वीर से कूदकर भागीं।
   (ग) पहली बिल्ली दौड़ते-दौड़ते जंगल में पहुँच गई और एक बड़ी बिल्ली बन गई।
   (घ) दूसरी बिल्ली नदी में गई।
   (ङ) चित्रकार से बचने के लिए तीसरी बिल्ली एक खूब सारे बच्चों वाले घर में घुस गई।
   (च) दूसरी तस्वीर बनाते समय चित्रकार ने ध्यान रखा कि उसकी पेंटिंग में बहुत सारी जगह खाली हो, ताकि वहाँ की बिल्लियाँ आराम से फैल-फूलकर खेल सकें।
5. (क) कृष्णा तेज **दौड़ते-दौड़ते** थक गया।
   (ख) चित्रकार ने चित्र पर ब्रुश **झटक-सा** दिया।
   (ग) उसकी बात **सुनते-सुनते** मैं थक गया।
6. (क) घुड़सवार; (ख) नाविक; (ग) कुम्हार; (घ) सुनार; (ङ) दर्ज़ी
7. (क) दिल्ली, बिल्ली; (ख) रस्सी, गुस्सा; (ग) अन्न, मुन्ना; (घ) बच्चा, सच्चा; (ङ) चम्मच, मम्मी
8. (क) मछलियाँ; (ख) दरवाज़े; (ग) बिल्लियाँ; (घ) तस्वीरें; (ङ) कहानियाँ; (च) कमरे

पाठ-3 संतोष का धन

अभ्यास

1. (क) पंड़ित श्री रामनाथ शहर के बाहर रहते थे।

(ख) पंड़ित जी के घर में बनाने के लिए एक मुट्ठी भर चावल ही थे।

(ग) शाक इमली के पत्तों का बना था।

2. (क) यजमान (ख) राजा ने (ग) सभी

3. स्वयं कीजिए।

4. (क) घर (ख) चिंता (ग) प्रस्ताव (घ) अनुभूति (ङ) आनंदमय

5. (क) श्री रामनाथ पंडित थे। वे शहर के बाहर रहते थे।

(ख) घर आकर पंडित जी ने देखा कि भोजन के समय थाली में कुछ उबले हुए चावल और पत्तियाँ रखी हैं।

(ग) राजा ने पंडित जी को नगर में आकर रहने का प्रस्ताव भेजा।

(घ) पंडित जी के पास जो कुछ था उन्हें उसी में संतोष था और उन्हें इसके अतिरिक्त किसी भी चीज का अभाव महसूस नहीं होता था इसलिए उन्होंने राजा का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया।

6.

आवश्यकता	रंक
गरीबी	अमीरी
राजा	अनिच्छा
इच्छा	अनावश्यकता

7. स्वादिष्ट — पंडित श्री रामनाथ की पत्नी ने इमली के पत्तों का **स्वादिष्ट** शाक बनाया।

प्रस्ताव — पंडित श्री रामनाथ ने राजा का **प्रस्ताव** ठुकरा दिया।

आवश्यकता — पंडितजी को धन की बहुत **आवश्यकता** थी।

असमंजस — राजा पंडित जी के घर जाकर **असमंजस** में पड़ गया।

पाठ-4 कछुआ उड़ा हवा में

अभ्यास

1. (क) कछुए को घूम फिर कर चीजें देखने और बातें करने में बहुत मजा आता था।

(ख) हाँ, हमें भी उड़ना पसंद है क्योंकि जब हम ऊपर होते हैं तो ऊपर से दुनिया देखने में अच्छा लगता है।

(ग) इससे हमने ये सीखा कि हमें सही समय आने पर ही कुछ बोलना चाहिए तभी हम नुकसान उठाने से बच सकते हैं।

2. रहता था, रहती थी, मित्रता, रहते थे, बिछाया, रोहु, फँस गई, बगुले, काट दिया, गई

3. कछुए ने, बगुलों से, बात न करने के लिए, तीनों उड़ जाते हैं

4. कछुए ने बगुलों से कहा—तुम्हारा घर तो बहुत ऊँचा है क्या तुम्हें इतनी ऊपर चक्कर नहीं आते बगुलों ने कहा नहीं तो हम तो इससे भी ऊपर उड़ सकते हैं क्या तुम्हें भी हमारे साथ उड़ना है। और कछुआ बगुलों की शर्त के अनुसार उड़ने को राजी हो गया।

5. (क) कछुए ने ऊपर उड़ते हुए कमल के फूल, मेढक बगुलों के घोंसले, अंडे, साँप, आदि देखे।

(ख) डंठल, अंडे, तना।

(ग) कमल के फूलों की डंठलें, तथा पेड़ का तना नहीं दिख रहा था।

(घ) हाँ, यदि वह लकड़ी को अपने दोनों पैरों से पकड़ता तो वह बात भी कर सकता था।

(ङ) कछुआ पानी में पहुँचकर मछलियों को बताएगा कि जो चीजें उसे नीचे रहकर नहीं दिखती थीं वे चीजें कितनी साफ दिखाई दे रही थीं।

6.

मछली	मीन
साँप	सर्प
कमल	जलज
पेड़	वृक्ष
फूल	पुष्प
आँख	नेत्र

7. (क) एक था <u>कछुआ</u>।

(ख) <u>बगुले</u> ने कहा।

(ग) <u>मछलियाँ</u> तो ऊपर से पतली-सी लग रही थीं।

(घ) <u>कमल</u> के <u>फूल</u> चौड़े-चौड़े से दिख रहे थे।

8. (क) बगुलों ने कहा—''हाँ, लेकिन एक शर्त है।''

(ख) ''काश, मैं भी उड़ सकता।''

(ग) क्या, ये सचमुच वही मछलियाँ थीं?

(घ) छपाक! कछुआ पीठ के बल पानी में जा गिरा।

पाठ-5 वर्षा तुमको आना है

अभ्यास

1. (क) कवि वर्षा को बुला रहा है।

(ख) 'नभ में धनुष सजाना' — से इंद्रधनुष से है।

(ग) कवि वृक्षों को काटने से मना कर रहा है।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) ii

3. (क) कवि वर्षा से खूब जल बरसाने को कह रहा है।

(ख) कवि वर्षा को ध्यान रखने के लिए कह रहा है कि बिजली चमकाना लेकिन नीचे नहीं गिराना इसका ध्यान तुम रखना।

(ग) कवि वर्षा से इतना बरसने के लिए मना कर रहा है जिससे हमें पानी को रोकना पड़े।

4. (क) जाना; (ख) डूब; (ग) भरी; (घ) हर्षा; (ङ) दमके; (च) मनुष

5. (क) मेह, बारिश, बरसात; (ख) सरिता, तटिनी, नद; (ग) गगन, अंबर, आकाश; (घ) चपला, दामिनी, विद्युत

पाठ-6 कश्मीर की यात्रा

अभ्यास

1. (क) मनु गौरव का मित्र है।

(ख) श्रीनगर कश्मीर की राजधानी है।

(ग) नाव के ऊपर बने घर को हाउस बोट कहते हैं।

2. (क) i; (ख) iv; (ग) ii; (घ) ii

3. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

4. (क) शिकारा 'हाउसबोट' को कहते हैं।

(ख) कश्मीर का व्यवसाय खेती के अलावा भेड़-बकरी पालना है।

(ग) कश्मीर में 'गुलमर्ग' व 'अमरनाथ की गुफा' दर्शनीय स्थल हैं।

(घ) पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर को कहा जाता है।

5. (क) सुगंधित; (ख) पुष्पित; (ग) आनंदित; (घ) फलित; (ङ) हर्षित; (च) सम्मानित

6. (क) वीर; (ख) सुंदर; (ग) काला; (घ) लाल; (ङ) शरारती; (च) कच्चा; (छ) ठंडी; (ज) पुराना

पाठ-7 अच्छे बनो

अभ्यास

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) i

3. (क) पुलकित; (ख) आज्ञा; (ग) छेड़छाड़; (घ) कार्य; (ङ) ध्यान; (च) उठना, सुबह

4. (क) हमें कोई भी पसंद नहीं करेगा।
   (ख) सब हमें झूठा समझेंगे।
   (ग) सब हमारा व्यवहार पसंद करेंगे।
   (घ) हमारा स्वास्थ्य अच्छा नहीं होगा।

5. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓; (ङ) ✗

6. (क) सदाचार का अर्थ है— अच्छा आचरण और अच्छा व्यवहार।
   (ख) पुलकित के चाचा जी अपने मित्र से मिलने गए और उनके साथ पुलकित गया।
   (ग) चाचा जी और मम्मी पुलकित से नाराज थे क्योंकि पुलकित ने चाचा जी के मित्र के घर जाकर अभद्र व्यवहार किया था।
   (घ) अच्छा बनने के लिए जब भी किसी से मिलो उनसे नमस्ते कहना चाहिए। किसी के कुछ देने पर उसे धन्यवाद देना चाहिए। कोई ऐसी बात मत कहो जो दूसरों को बुरी लगे। कम बोलो, मीठा बोलो, सदैव सच बोलो। माता-पिता और गुरुजनों का आदर करो। कभी लालच मत करो, सदा मन लगाकर पढ़ो। शरीर की साफ-सफाई का ध्यान रखो।
   (ङ) जहाँ सब लोग आते-जाते हैं। वह स्थान सार्वजनिक स्थान कहलाता है।

7. (क) राम **मेरा** मित्र है।
   (ख) मुझे आपके दुख का **अहसास** है।
   (ग) आपका **व्यवहार** अच्छा है।
   (घ) मुझे आपका **धन्यवाद** करना चाहिए।

8. (क) लड़कियाँ; (ख) बेटे; (ग) मेज़ें; (घ) अच्छे

पाठ-8 खुश आदमी की कमीज़

अभ्यास

1. (क) राजा खुश नहीं था।
   (ख) राजा का इलाज करने के लिए अच्छे से अच्छे वैद्यों को बुलाया गया।
   (ग) सैनिक खुश व्यक्ति को पाकर अभिभूत हो गए।

2. (क) i; (ख) ii; (ग) i; (घ) ii

3. (क) वैद्य, मर्ज़; (ख) खुश; (ग) अभिभूत; (घ) प्रसन्नचित्त

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓

5. (क) राजा को लगने लगा कि वह बीमार है।
   (ख) वैद्य जी ने राजा की बीमारी का उपचार बताया कि यदि राजा एक रात्रि के लिए किसी खुश आदमी की कमीज़ पहनकर सोएँ तो उनकी बीमारी दूर हो सकती है।
   (ग) सैनिकों को भिखारी गाँव के द्वार पर मिला। वह मदमस्त लेटा हुआ अपनी मस्ती में सीटी बजा-बजाकर, हँस-हँसकर गाना गाते हुए लोटपोट हुए जा रहा था।
   (घ) भिखारी ने कमीज़ नहीं दी क्योंकि उसके पास कोई कमीज़ थी ही नहीं।
   (ङ) सैनिकों ने राजा को यह समाचार दिया कि उन्हें एक व्यक्ति मिला है जो पूर्णतया प्रसन्न व संतुष्ट है लेकिन उसके पास तन ढकने के लिए वस्त्र नहीं है।
   (च) अंत में राजा को जीवन का गूढ़ तत्त्व समझ में आ गया।

6. (क) कटोरे; (ख) सीढ़ियाँ; (ग) ताँगे; (घ) नदियाँ; (ङ) दरवाज़े; (च) घंटियाँ; (छ) कपड़े; (ज) दवाइयाँ

7. (क) ब् + ई + म् + आ + र + ई; (ख) ई + श् + व् + अ + र् + अ; (ग) स् + अ + न् + त् + उ + ष् + ट् + अ; (घ) भ् + इ + ख् + आ + र् + ई

8. (क) दुखी; (ख) नकद; (ग) स्वस्थ; (घ) असंतुष्ट; (ङ) रंक; (च) गरीब

पाठ-9 क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

अभ्यास

1. (क) गुरु जी बाजार जा रहे थे।
   (ख) गुरु जी के थैले में गेहूँ थे।
   (ग) आटे से रोटी बनती है।

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) ii

3. (क) गुरुजी बाज़ार गेहूँ पिसवाने जा रहे थे।
   (ख) गुरुजी आटे की रोटी बनाते।
   (ग) शिवदास ने थैली देखकर गुरुजी को साइकिल दी।
   (घ) क्योंजीमल और कैसलिया से मिलने पर आप दोनों में क्यों और कैसे के बीच भटकते रहेंगे क्योंकि क्योंजीमल बात-बात पर क्यों-क्यों-क्यों पूछते रहते हैं और कैसलिया बात-बात पर कैसे-कैसे-कैसे पूछते रहते हैं।

4. (क) स्त्रीलिंग; (ख) पुल्लिंग; (ग) पुल्लिंग; (घ) पुल्लिंग; (ङ) स्त्रीलिंग; (च) स्त्रीलिंग

5. 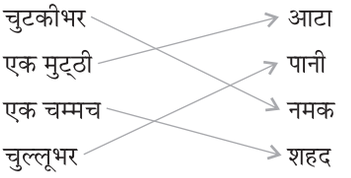

पाठ-10 घी की मटकी

अभ्यास

1. (क) बिल्ली कलूटी थी।
   (ख) छींके पर मटकी रखी थी।

(ग) बिल्ली को खाने के लिए घी नहीं मिला इसलिए वह पछता रही थी।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) i

3. बिल्ली आई, एक कलूटी।

छींके ऊपर, देखी मटकी।

कूदी, लपकी, उछली लटकी।

यहाँ चढ़ी, वहाँ से टपकी।

ऊपर, नीचे, उलझी-अटकी।

मगर मिली ना, घी की मटकी।

4. (क) बिल्ली ने मटकी देखी।

(ख) मटकी छींके के ऊपर लटकी थी।

(ग) मटकी में घी था।

(घ) अम्मा की झपकी टूट गई इसलिए बिल्ली भाग गई।

(ङ) बिल्ली को घी की मटकी नहीं मिली इसलिए वह अपने भाग्य को कोस रही थी।

5. (क) झपकी; (ख) किल्ली; (ग) टीका; (घ) मम्मा; (ङ) फूटे; (च) वहाँ

6. बिल्ली, कलूटी, छींके, देखी, लपकी, उछली, टपकी, मटकी

7. (क) जैसे ही मैं निकला, मेरे भाई ने **छींका**।

(ख) फेल होने के बाद क्या **पछताना** जब पढ़ाई नहीं की।

(ग) जो **भाग्य** में होगा, वही मिलेगा।

पाठ-11 घंटीधारी ऊँट

अभ्यास

1. (क) जुलाहा पैसा कमाने शहर गया।

(ख) जुलाहे को सड़क के किनारे एक बीमार ऊँटनी मिली।

(ग) जुलाहा ऊँट के बच्चे को अपने लिए भाग्यशाली मानता था।

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii; (घ) ii

3. (क) आय; (ख) पुरस्कार; (ग) व्यापार; (घ) पत्थर, ऊँटों

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) जुलाहे को यह चिंता खाए जा रही थी कि बीवी के आने के बाद खर्चा बढ़ना स्वाभाविक है।

(ख) शहर में कुछ पैसे कमाने के बाद तथा गाँव से अकाल समाप्त होने की खबर आने पर जुलाहा गाँव लौटा।

(ग) जुलाहे को रास्ते में एक बीमार ऊँटनी मिली। कुछ दिन बाद उसने एक ऊँट को जन्म दिया। कुछ दिनों बाद एक कलाकार गाँव के जीवन पर चित्र बनाने के लिए उसी गाँव आया। पेंटिंग के ब्रुश बनाने के लिए वह जुलाहे के ऊँट की दुम के बाल ले जाता। वह जुलाहे को काफ़ी सारे पैसे दे गया। इस प्रकार जुलाहे की किस्मत बदली।

(घ) घंटीधारी ऊँट स्वयं को अन्य ऊँटों से श्रेष्ठ समझता था इसलिए वह अन्य ऊँटों से अलग रहता था।

(ङ) अलग रहने के कारण घंटीधारी ऊँट को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा।

6. (क) ऊँटनी; (ख) दूल्हा; (ग) जुलाहिन; (घ) पति; (ङ) मालकिन; (च) शेरनी

7. कंगाल, चिंता, धंधा, घंटी, झुंड, अंटी, अंहकार

ऊँट, ऊँटनी, बाँधा, गाँव, आँख

8. (क) मैं; (ख) वह; (ग) उसके; (घ) तुम, हमसे

9.

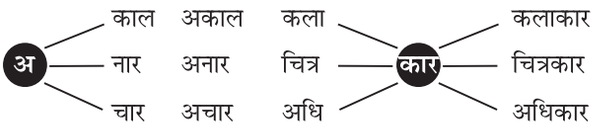

पाठ-12 गरम जामुन

अभ्यास

1. (क) खरगोश का नाम श्वेतू था।

(ख) विद्वान तोता खरगोश का लोहा मानता था।

(ग) खरगोश ने शास्त्रार्थ में सुरीली कोयल और विदुषी मैना को हराया था।

2. (क) कविता, (ख) अपनी विद्वत्ता पर, (ग) शरारती व चंचल

3. (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✓)

4. (क) विद्वान, (ख) बरसात, (ग) काले-काले, (घ) डाली

5. (क) श्वेतू एक बूढ़ा खरगोश था। वह बहुत अच्छी कविताएँ लिखता था इसलिए सब उसका लोहा मानते थे।

(ख) श्वेतू खरगोश ने शास्त्रार्थ में सुरीली कोयल और विदुषी मैना तक को पराजित किया था।

(ग) श्वेतू द्वारा जामुन माँगने पर मिट्ठू ने कहा कि, ''दादा जी, यह तो बताइए कि आप गरम जामुन खाएँगे या ठंड़ी?''

(घ) मिट्ठू ने अपनी बात का प्रमाण इस प्रकार दिया कि जब जामुन ठंडी हैं तो आप इन्हें फूँक-फूँककर क्यों खा रहे हैं? अत: इस तरह तो सिर्फ गरम चीजें ही खाई जाती हैं।

6. (क) खरगोश की समझ में कुछ नहीं आया।

(ख) ये तो साधारण ठंडे जामुन ही हैं।

(घ) उसने आँखें उठाईं।

7. अनुस्वार — सुंदरवन, जंगल, घमंड़, झुंड़, चंचल, ठंड़ी, शर्मिंदा

अनुनासिक — दाँतों, उँगली, मुँह, आँखें, फूँक, दूँगा, खाएँगे।

8. बुरा पराजय ठंडा जवान

9. दाँतों तले उँगली दबाना — खरगोश द्वारा लिखी कविताएँ सुनकर जंगल के पशु-पक्षी दाँतों तले उँगली दबा लेते थे।

लोहा मानना — तोता खरगोश की विद्वत्ता का लोहा मानता था।

10. बूढ़े; राजाओं, खरगोशों, नातियों; विद्वानों; काले

11. (क) गधा (ख) बाघ (ग) खीरा (घ) गुलाब

खंड (ब)

1. फल खाने से होने वाले लाभ निम्नलिखित हैं—

- फल खाने से हमारी त्वचा में नमी और चमक बनी रहती है।
- फल खाने से हमारे शरीर को विटामिन, प्रोटीन तथा आयरन आदि की प्राप्ति होती है।
- फल खाने से हमारे शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- फल पाचन शक्ति को बढ़ाने में सहायक होते हैं।
- फलों से हमें ऊर्जा प्राप्त होती है।

2. ऐसी पाँच चीजों के नाम, जिन्हें फूँक मारकर खाया जाता है 1.पकौड़ी, 2.हलुवा, 3. समोसा, 4. टिक्की व 5. कचौड़ी हैं।
3. स्वयं कीजिए।

पाठ-13 एक पते की बात

अभ्यास

1. (क) मुखिया की आय से ही घर का गुजारा चलता था।
(ख) घर के मुखिया को बाघ खा गया है।
(ग) हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। अब हम पहले से ज्यादा सुखी हैं।
2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i; (घ) iii
3. (क) संत ने सेठ से; (ख) सेठ ने संत से; (ग) सेठ की पत्नी ने सेठ से
4. (क) संतप्त; (ख) नौकरी; (ग) छिपता-छिपाता; (घ) अभिमान
5. (क) घर के मुखिया को यह अभिमान हो गया था कि उसी से घर का खर्चा चलता है, उसके बिना घर के लोग भूखे मर जाएँगे।
(ख) संत कह रहे थे कि ''दुनिया में किसी के बिना किसी का काम नहीं रुकता। ये अभिमान व्यर्थ है कि मेरे बिना परिवार या समाज ठहर जाएगा। सभी को अपने भाग्य के अनुसार प्राप्त होता है।''
(ग) घर के मुखिया के मरने की खबर संत ने फैलायी।
(घ) एक सेठ ने उसके बड़े लड़के को अपने यहाँ नौकरी दे दी। गाँववालों ने मिलकर लड़की की शादी कर दी। एक व्यक्ति छोटे बेटे की पढ़ाई का खर्च देने को तैयार हो गया। इस प्रकार लोगों ने शोक-संतप्त परिवार की सहायता की।
(ङ) जब घर का मुखिया कुछ समय पश्चात लौटकर वापस आया और उसके घरवालों ने उससे कहा कि ''हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। अब हम पहले से ज्यादा सुखी हैं'' तो यह सुनकर घर के मुखिया का अभिमान चूर-चूर हो गया।
6.

हक्का-बक्का होना	बहुत भूख लगना
पेट में चूहे कूदना	एकदम अनपढ़
बाएँ हाथ का खेल	हैरान रह जाना
घी के दीये जलाना	अत्यंत सरल काम
काला अक्षर भैंस बराबर	खुशियाँ मनाना

7. (क) धोखा, दरवाजा; (ख) भेद, भीतर; (ग) उचित, ऊपर दिया; (घ) कार्य, संख्या
8. (क) अस्वस्थ; (ख) उपजाऊ; (ग) प्रसन्न; (घ) लघु; (ङ) सुख; (च) शोर
9. (क) दुख, कष्ट, व्यथा; (ख) खग, पक्षी, नभचर; (ग) चुप, शांत, निःशब्द
10. (क) चहचहाहट; (ख) सरसराहट; (ग) गुनगुनाहट; (घ) थरथराहट; (ङ) फड़फड़ाहट; (च) तिलमिलाहट

पाठ-14 आओ तोड़ के लाएँ चाँद

अभ्यास

1. (क) कवि चाँद को तोड़कर लाने को कह रहा है।
(ख) घना अँधेरा हो जाने पर कुछ भी काम नहीं हो पाता है।
2. (क) चाँद से, (ख) घर
3. तोड़ **बाँस से थोड़ा-थोड़ा** भरें **चाँद से अपना बोरा**।
घना अँधेरा हो जाने पर काम न **कुछ भी हो** पाता है।
4. (क) कवि बच्चों को बाहर निकलने के लिए इसलिए कह रहा है कि हम चाँद को तोड़कर लाएँ और सुनही की माँ के कमरे में चाँद को लटकाकर उजाला कर दें।
(ख) कविता का मूल उद्देश्य प्रत्येक घर से अंधकार को दूर भगाना और उसे प्रकाश से भर देना है।

पाठ-15 नटखट चूहा

अभ्यास

1. (क) चूहा शरारती था। उसने शहर जाने का सोचा।
(ख) चूहे ने रास्ते में कपड़े की दुकान देखी।
(ग) चूहे ने उसकी दुकान में रखे कपड़े को कुतरने की बात कही तो दुकानदार डर गया।
(घ) स्वयं कीजिए।
2. (क) iii, (ख) i, (ग) iii, (ग) ii
3. (क) नटखट, (ख) तंग, (ग) दुकानदार, (घ) बर्बाद, (ङ) कहानी
4. (क) दुकानदार ने चूहे से कहा।
(ख) चूहे ने दुकानदार से कहा।
(ग) चूहे ने दर्जी से कहा।
(घ) राजा ने चूहे से कहा।
5. (क) अध्यापक के पास, (ख) नाई के पास, (ग) दुकानदार के पास, (घ) हलवाई के पास
6. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓
7. (क) चूहा नटखट था। हमेशा उसका मन कुछ-न-कुछ शरारतें करने का करता था।
(ख) चूहे ने दर्जी से कहा- ''रातों रात में आऊँगा
अपनी सेना लाऊँगा
तेरे कपड़े कुतरूँगा''
दर्जी चूहे की इस बात से डर गया।
(ग) दुकानदार ने चूहे से कहा कि मेरा बेवकूफ मत बना। एक चूहे को सितारों से क्या मतलब।
(घ) चमकीली टोपी पहनकर चूहा राजा के पास इसलिए गया क्योंकि वह अपने आपको राजा समझ रहा था।
(ङ) राजा इसलिए काँपने लगा क्योंकि चूहों की पूरी फौज महल को तहस-नहस कर देगी।
(च) क्योंकि वह चूहे को एक छोटा-सा प्राणी समझ रहे थे। उनको उसकी ताकत का पता नहीं था।
8. (क) काले-काले बादल
(ख) ऊँची इमारत
(ग) खट्टा आम
(घ) सुंदर लड़की

पाठ-16 खिलौनों की दुनिया

अभ्यास

1. (क) सोभासिंह एक गुड़िया बनाकर लाया था।
(ख) जन्मदिन शोभना का था।
(ग) सोनिया एक सभ्य व सुंदर लड़की थी।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iv; (घ) ii

3. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗

4. (क) दुकान बंद होने पर सारे खिलौने अपने-अपने डिब्बों से बाहर निकल जाते हैं।
   (ख) शोभना ने गुड़िया खिड़की के बाहर फेंक दी।
   (ग) सोनिया गुड़िया को उठाकर लाई।
   (घ) बैलरीना ने बताया कि उस घमंडी लड़की शोभना ने उसे इतना जोर से फेंका कि उसका अंग-अंग दुख गया। उसे बाहर की दुनिया बहुत बुरी लगी।

5. (क) नौकरानी; (ख) गुड्डा; (ग) मालकिन; (घ) बेटा

6. (क) मालिक आपने याद किया और मैं हाजिर।
   (ख) क्या तुम मेरी ढपली के साथ नृत्य करोगी?
   (ग) कोई सुंदर-सी गुड़िया दिखाओ।

7. (क) मेरी मदद करने के लिए **शुक्रिया**।
   (ख) **अरे!** तुम कैसे गिर गए।
   (ग) यह **उलट-पुलट** कर क्या देख रहे हो?
   (घ) शोभना बहुत **घमंडी** लड़की थी।

पाठ-17 मीठी बोली, कड़वी बोली

1. (क) चिड़िया मीठा खाती थी।
   (ख) चिड़िया का नाम गवैया गौरैया था।
   (ग) सफेद गवैया गौरैया ने दिए।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) i; (घ) i

3. (क) चिड़िया ने पेड़ से; (ख) चिड़िया ने घास से; (ग) कौवे ने पेड़ से; (घ) घास ने पेड़ से

4.

गवैया	कौआ
सुंदर	तिनके
कड़वा	गौरैया
सूखे	घोंसला

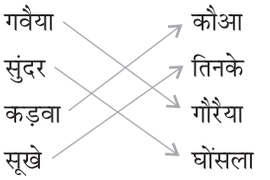

5. (क) चिड़िया का गाना सुनकर पेड़ बहुत खुश हो गया और उसने कहा, ''मेरी डालों के बीच में एक जगह है, गौरैया बहन वहाँ तुम घोंसला बना लो।''
   (ख) चिड़िया ने घास से तिनके माँगे।
   (ग) चिड़िया ने चार अंडे दिए।
   (घ) कौए ने पेड़ से कहा कि ''ऐ पेड़, तूने गौरैया को जगह दी, मुझे भी घोंसला बनाने के लिए जगह दे।''
   (ङ) पेड़ ने चिड़िया को घोंसला बनाने की जगह दी लेकिन कौए को नहीं दी क्योंकि चिड़िया ने प्यार से मीठा बोलकर पेड़ से विनती की जबकि कौवे ने कड़वा बोलकर जगह माँगी।
   (च) यह कहानी हमें यह संदेश देती है कि हमें सदैव मीठा बोलना चाहिए।

6. (क) ग् + औ + र् + ऐ + य् + आ; (ख) घ् + ओ + अं + स् + अ + ल् + आ; (ग) त् + इ + न् + अ + क् + आ; (घ) व् + इ + न् + अ + त् + ई; (ङ) भ् + अ + द् + द् + आ

7. (क) काला कौवा देखने में बहुत **भद्दा** था।
   (ख) कोयल **मीठा** गीत गाती है।
   (ग) करेला बहुत **कड़वा** होता है।
   (घ) मैंने अपने पिता से खिलौने दिलाने की **विनती** की।

BOOK-4

पाठ-1 ओस

अभ्यास

1. (क) मोती की लडियाँ।
   (ख) ओस की बूँदों को।
   (ग) दीपावली निराली।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) iii

3. बड़े सवेरे ------------------------ यह दीवाली?
   व्याख्या—फूल पत्तियों पर ओस की बूँदों को देखकर कवि कहता है कि इतनी सुबह-सुबह कौन खुशी में दीवाली मना रहा है।
   वन-उपवन ------------------------ दीपावली निराली?
   व्याख्या—कवि कहता है-जंगल, बगीचों में किसने ये सुंदर दीपावली जला दी है।

4. (क) हीरे-मोती जैसी।
   (ख) कवि कहता है कि जी चाहता है इन ओस के कणों को दोनों हाथों में लेकर इन्हें घर ले जाऊँ।
   (ग) कवि चाहता है कि वह ओस की बूँदों की सुंदरता को बहुत ही नजदीक से देखे और उस पर कविता लिखे।

5. (क) ठंडी; (ख) काले; (ग) रंग-बिरंगी; (घ) प्राचीन; (ङ) स्वादिष्ट

6. (क) रात्रि, रजनी, निशा; (ख) भवन, गृह, आवास; (ग) पुष्प, सुमन, कुसुम; (घ) बगीचा, वाटिका, उद्यान

पाठ-2 चाँद वाली अम्मा

अभ्यास

1. (क) झाड़ू लगाती थी।
   (ख) आसमान अपनी आदत से मजबूर था।
   (ग) अम्मा कुएँ पर पानी भरने के लिए गई।

2. (क) i; (ख) iv; (ग) i; (घ) iii

3. (क) कामकाज; (ख) कमर; (ग) क्रम; (घ) गुस्से

4.

अम्मा	पानी
आसमान	वार
कुआँ	बिल्कुल अकेली
झाड़ू से	हरकत दोहराता

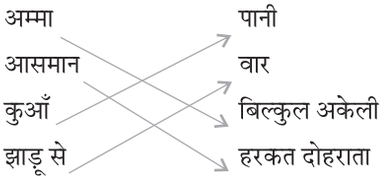

5. (क) अम्मा सुबह उठकर कुएँ से पानी लाना, खाना बनाना आदि काम करती थी।

(ख) अम्मा को आसमान परेशान करता था। जब भी अम्मा आँगन में झाड़ू लगाने के लिए झुकती तभी आसमान आकर उसकी कमर से टकराता।

(ग) अम्मा पानी लेने के लिए कुएँ पर गई तो पानी भरने को लेकर अम्मा का किसी और से झगड़ा हो गया।

(घ) अम्मा ने आसमान पर वार किया। अम्मा गुस्से में थी। जैसे ही झाड़ू उठाकर अम्मा आँगन में झुकी और आसमान आकर अम्मा की कमर से टकराया, अम्मा ने उस पर झाड़ू से वार किया।

(ङ) अम्मा झाड़ू इसलिए नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि अम्मा के पास एक ही झाड़ू थी।

(च) आसमान बहुत शरारती था। वह अम्मा की कमर से टकराकर अम्मा को परेशान करना चाहता था।

6. (क) अन्नदाता; (ख) चप्पल; (ग) गुस्सा; (घ) गद्दा; (ङ) अम्मा; (च) टक्कर

7. (क) अम्मा; (ख) मजबूर; (ग) झाड़ू; (घ) चाँद

8. (क) जवान; (ख) शाम; (ग) ज्यादा; (घ) नीचे

9. एक दिन कुएँ पर पानी भरने को लेकर अम्मा का किसी और से झगड़ा हो गया। अम्मा जरा गुस्से में थी। वह झाड़ू उठाकर आँगन में गई और जैसे ही झुकी, आसमान ने अपनी आदत अनुसार उसे फिर छेड़ा।

10. (क) अम्मा **घर** का कामकाज स्वयं करती थी।

(ख) अम्मा सुबह को **कुएँ** पर पानी भरने जाती थी।

(ग) आसमान बहुत **शरारती** था।

(घ) आज तक बूढ़ी अम्मा झाड़ू पकड़े **चाँद** पर बैठी है।

पाठ्येतर गतिविध

बूढ़ी अम्मा के काम	मेरे घर में कौन रहता है
झाड़ू लगाना	मम्मी
कुएँ से पानी लाना	पापा
खाना बनाना	बहन

मेरे पिता– मेरे पिता मुझे घूरकर देखते हैं जब मैं परीक्षा में फेल हो जाता हूँ।

मेरे शिक्षक– मेरे शिक्षक मुझे घूरकर देखते हैं जब मैं नहीं पढ़ता।

मेरी बहन/मेरा भाई– मेरी बहन मुझे घूरकर देखती है जब मैं उसका काम नहीं करता हूँ।

पाठ-3 गल्लू सियार का लालच

अभ्यास

1. (क) गल्लू और मल्लू।

(ख) मल्लू सीधा-साधा और भोला सियार था।

(ग) गल्लू एक नंबर का धूर्त और चालबाज सियार था।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✗

4. (क) गल्लू सियार ने।

अपने भाई मल्लू सियार से।

वह जंगल के राजा को मारकर स्वयं राजा बनना चाहता था।

(ख) मल्लू सियार ने।

गल्लू सियार से।

गल्लू-मल्लू को अपनी योजना में शामिल करना चाहता था इसलिए वह उसे महामंत्री के पद का लालच दे रहा था।

5. (क) मल्लू सियार सीधा सादा और भोला सियार था जबकि गल्लू सियार एक नंबर का धूर्त और चालबाज सियार था।

(ख) तब गल्लू ने दरवाजा खटखटाया। मल्लू ने दरवाजा खोला। जैसे ही गल्लू अंदर आने के लिए घुसा मल्लू ने दरवाजा बंद कर दिया।

(ग) गल्लू नहाकर अपने भाई मल्लू सियार के पास पहुँचा।

(घ) जब गल्लू नदी पर नहाने के लिए गया तो उसने वहाँ देखा कि कोई भी जानवर उससे नहीं डर रहा था। जैसे ही उसने नदी में नहाने के लिए चादर उतारी तो सभी जानवर उसे देखकर डर के भाग गए।

(ङ) गल्लू ने अपने भाई को महामंत्री के पद का लालच दिया क्योंकि वह स्वयं राजा बनना चाहता था।

(च) मल्लू ने अपने राजा की जान अपने भाई की जान देकर बचाई।

(छ) अंत में मल्लू ने चादर को जला दिया।

6.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मल्लू	राजा	खुशबू
गल्लू	नदी	जादू
अजय	जानवर	स्वतंत्रता

7. (क) जंगल; (ख) पाँव; (ग) ठंड; (घ) माँद; (ङ) बनूँगा; (च) स्वतंत्रता; (छ) चौंक; (ज) आँख

8. (क) राम के घर में बहुत बड़ा चौक है।

शेर चौंककर उठ गया।

(ख) गल्लू ने मल्लू को महामंत्री का पद देने का लालच दिया।

गल्लू को जंगल के पथ में एक चादर मिली।

(ग) गल्लू सियार ने शेर को लात मारकर उठा दिया।

मित्रता की मुरझाई लता फिर हरी हो गई।

9. (र) रास्ता, रात, रात्रि

(श) प्रशंसा, प्रतिज्ञा, प्रतिष्ठा

(ह) पर्स, शर्त, हर्ष

10. (क) दरवाजे; (ख) चादरें; (ग) नदियाँ; (घ) रास्ते

पाठ्येतर गतिविधि

(क) जिस व्यक्ति का पर्स होगा उसे वापस कर देंगे।

(ख) चॉकलेट उठाकर कूड़े में डाल देंगे।

(ग) जिस व्यक्ति की सोने की चेन होगी उसे वापस कर देंगे।

(घ) जिस व्यक्ति किताब की होगी उसे किताब वापस कर देंगे।

कहानी

एक कुत्ता रास्ते से जा रहा था। उसे रास्ते में एक हड्डी पड़ी मिली। उसने उस हड्डी को उठा लिया और आगे चल दिया। आगे एक नदी थी। वह जब उस नदी के पुल पर पहुँचा तो उसने पानी में अपनी परछाई देखी और वह दूसरे कुत्ते को समझकर उस पर भौंकने लगा। जैसे ही कुत्ता भौंकने लगा उसके मुँह से हड्डी निकल गई और पानी में बह गई।

पाठ-4 लेखनी की आत्मकथा

अभ्यास

1. (क) लेखनी का दूसरा नाम 'कलम' है। अंग्रेजी में इसे 'पेन' बोलते हैं।

(ख) मनुष्य ने कलम का सिर काटकर उसे नुकीला बना दिया।

(ग) लोगों की भलाई करना लेखनी का कर्त्तव्य है।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) नुकीला; (ख) स्वरूप; (ग) कर्त्तव्य; (घ) सुख-समृद्धि, समर्पित; (ङ) कुसंगति

4.

अंग्रेजों ने मेरा नाम	हृदय से लगाए रखते हैं।
सभी मुझे अपने	दु:ख सहन किए।
वहाँ तो मेरा	पेन रख दिया।
मैंने बहुत	दम ही घुटने लगा।

5. (क) उसे अपने मातृ पौधे से काटकर अलग कर दिया, उसका सिर भी काट दिया, उसे छील-छीलकर नुकीला बना दिया आदि उसने यातनाएँ सहन कीं।

(ख) जब लेखनी को हरी, लाल, नीली स्याही में डुबो दिया तब उसका दम घुटने लगा।

(ग) आधुनिक लेखनी में प्लास्टिक की रिफिल होती है जबकि प्राचीन लेखनी में रबड़ की थैली में स्याही भरी रहती थी।

(घ) मेरी एक विशेषता यह भी है मैं मूर्खजनों की संगति कभी नहीं करती। मुझे कुसंगति कभी नहीं भाती इसलिए मुझे सत्संगति का लाभ मिलता है और सभी जगह मेरा सम्मान होता है।

(ङ) लेखनी की हार्दिक इच्छा है कि संसार के सभी लोग उसका उपयोग करें।

6.

यौगिक शब्द	वाक्य-प्रयोग
सुविधानुसार	मनुष्य ने अपनी सुविधानुसार लेखनी का स्वरूप बदल दिया।
विद्यार्थी	विद्यार्थी लेखनी को हृदय से लगाकर रखते हैं।
विद्यालय	विद्यालय, कचहरी आदि में लेखनी द्वारा कार्य किया जाता है।
इच्छानुसार	मनुष्य अपनी इच्छानुसार लेखनी का उपयोग करते हैं।

7. (क) सुविधानुसार; (ख) आदेशानुसार; (ग) इच्छानुसार; (घ) रेखांकित

8. (क) दु:ख; (ख) चतुर; (ग) समाधान; (घ) संगति; (ङ) नीचा; (च) हानि; (छ) अपमान; (ज) परिचित; (झ) बुराई; (ञ) पराया

9. (क) स्वार्थी; (ख) इतिहास; (ग) स्याही; (घ) समर्पित; (ङ) कर्त्तव्य; (च) विद्यालय; (छ) उपन्यास; (ज) स्पर्श

10. (क) मैं लेखनी हूँ।

(ख) फिर मुझे हरी स्याही में डुबो दिया।

(ग) मैं सारी यातनाएँ चुपचाप सहन करती हूँ।

(घ) मैं देखने में छोटी जरूर हूँ लेकिन मेरा काम बहुत बड़ा है।

(ङ) मनुष्यों के हर सुख-दु:ख में हमेशा मैं उनका साथ देती हूँ।

पाठ-5 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

अभ्यास

1. (क) कवि कविता में चाँद के बारे में बता रहा है।

(ख) जब चाँद घटता है तो घटता चला जाता है तथा जब बढ़ता है तो बढ़ता चला जाता है।

(ग) चाँद के घटने व बढ़ने की बीमारी को कवि अच्छा नहीं मानता। यदि उसे यह बीमारी न होती तो कवि चाँद से शादी कर लेता।

2. (क) iv; (ख) iii; (ग) i

3.

गोल हैं खूब मगर	घटते ही चले जाते हैं।
तारों-जड़ा	जब तक बिल्कुल ही गोल न हो जाएँ।
आप घटते हैं तो	आप तिरछे नज़र आते हैं ज़रा।
दम नहीं लेते हैं	सिर्फ मुँह खोले हुए हैं अपना।

4. (क) चाँद तारों-जड़ा पूरा आकाश पहने हुए है।

(ख) कवि ने चाँद का चेहरा गोरा-चिट्टा, गोल-मटोल बताया है।

(ग) चाँद घटता है तो घटता चला जाता है और यदि बढ़ता है तो बढ़ता चला जाता है। चाँद को यह बीमारी है जिसे कवि अच्छा नहीं बता रहा है।

(घ) कवि का तात्पर्य है कि चूँकि चाँद गोल है फिर भी उसका केवल मुँह नजर आता है। इसी प्रकार वह लगता है कि तारों-जड़ा पूरा आकाश पहने हुए हैं।

5. (क) मुझे ज़रा सा गुड़ चाहिए था।

ज़रा में माता-पिता का सहारा बनना चाहिए।

(ख) इन दोनों संख्याओं का कुल ज्ञात करके मुझे बताओ।

नदी के कूल पर बच्चों को नहीं खेलना चाहिए।

6. (क) मातृत्व; (ख) दानवता; (ग) लड़कपन; (घ) यौवन; (ङ) बचपन; (च) नौकरी

7. (क) फ् + ऐ + ल् + आ + ए; (ख) ब् + उ + द् + ध् + ऊ; (ग) प् + ओ + श् + आ + क् + अ; (घ) श् + आ + द् + ई

पाठ-6 बूँद-बूँद से घट भरता है

अभ्यास

1. (क) रोहन बहुत शरारती लड़का था।

(ख) मोहल्ले के लोग रोहन से परेशान थे।

(ग) रोहन ने टी० वी० पर हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी जी का देश को स्वच्छ रखने का विज्ञापन देखा।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii; (घ) i

3. (क) झगड़ा; (ख) पढ़ाई; (ग) स्वच्छता अभियान; (घ) शरारत

4.

टी० वी०	मोदी
रोहन	विज्ञापन
प्रधानमंत्री	अभियान
स्वच्छता	शरारती

5. (क) उसने निश्चय किया कि अब वह भी मोदी जी के स्वच्छता अभियान से जुड़ेगा।

(ख) स्वच्छता अभियान में रोहन की मदद सबसे पहले मोहल्ले के एक व्यक्ति ने की।

(ग) लोगों को लगा कि इसमें भी रोहन की कोई शरारत होगी और वह उनको परेशान करने के लिए बोल रहा है।

(घ) मोदी जी के स्वच्छता अभियान का आशय अपने घर, मोहल्ले, क्षेत्र तथा देश को स्वच्छ रखने से है।

6. (क) स्वच्छता; (ख) प्रसन्नता; (ग) सुंदरता; (घ) सामाजिकता

7. (क) मैं; (ख) अपने आप; (ग) वह; (घ) उसका

8. (क) रोहन यह सब जोश में आकर करेगा।

(ख) रोहन पढ़ाई और खेलकूद में बहुत अच्छा है।

(ग) अपने आप शांत हो गया था।

(घ) लोग रोहन की बातें सुनकर हँसेंगे।

9. (क) अ + भ् + इ + य् + आ + न् + अ; (ख) म् + ओ + ह् + अ + ल् + ल् + आ; (ग) श् + अ + र् + आ + र् + अ + त् + अ; (घ) स् + व् + अ + च् + छ् + अ + त् + आ; (ङ) न् + इ + श् + च् + अ + य् + अ

10. (क) प्रधानमंत्री; (ख) डाँटा

पाठ-7 एक दिन की बादशाहत

अभ्यास

1. (क) आपा आरिफ और सलीम को उठाते समय कहतीं कि जल्दी उठो, स्कूल का वक्त हो गया।

(ख) आरिफ और सलीम ने अब्बा से दरखास्त की कि एक दिन उन्हे बड़ों के सारे अधिकार दे दिए जाएँ और सब बड़े छोटे बन जाएँ।

(ग) हाँ, अब्बा ने आरिफ और सलीम की दरखास्त मानी।

2. (क) पान खाने से; (ख) उस दिन अधिकार आरिफ और सलीम को मिले थे; (ग) पाँच; (घ) सभी

3. (क) आरिफ ने दादी से; (ख) अम्मी ने सलीम से; (ग) आरिफ ने अब्बा जान से; (घ) सलीम ने आपा से; (ङ) अब्बा ने सलीम से

4. (क) पाबंदियों से बचने के लिए आरिफ और सलीम दोनों ने मिलकर एक योजना बनाई और अब्बा की खिदमत में एक दरखास्त पेश की कि एक दिन उन्हें बड़ों के सारे अधिकार दे दिए जाएँ और सब बड़े छोटे बन जाएँ।

(ख) सलीम और आरिफ को डाँटते-डाँटते अब्बा इसलिए रुक गए क्योंकि उन्हें याद आ गया कि आज बड़ों के सभी अधिकार इन छोटों को दे दिए गए हैं और बड़े छोटे बन गए हैं।

(ग) अगली सुबह जब सलीम की आँख खुली, तो आपा नाश्ते की मेज सजाए उन दोनों के उठने का इंतजार कर रही थी। अम्मी खानसामा को हुक्म दे रही थी कि हर खाने के साथ एक मीठी चीज जरूर पकाया करो। अंदर आरिफ के गाने के साथ भाईजान मेज का तबला बजा रहे थे और अब्बा सलीम से कह रहे थे, ''स्कूल जाते वक्त चवन्नी जेब में डाल लिया करो, क्या हर्ज है.....!''

5. बे + बस — बेबस; बे + शर्म —बेशर्म; बे + हिसाब —बेहिसाब; बे + दर्दी — बेदर्दी; बे + कसूर — बेकसूर; बे + सहार —बेसहारा

6. (क) जल्दी उठो।

(ख) कल दोनों को <u>हर किस्म के</u> अधिकार मिल जाएँगे।

(ग) जरा इन बच्चों को <u>बाहर</u> हाँक दे।

(घ) <u>फौरन</u> ऑफिस जाइए।

7. (क) है; (ख) पकेगा; (ग) कहा; (घ) गईं; (ङ) खाई जाएगी

8. रुक; रुपया ; गुरु; रूठना; रूस; अमरूद

पाठ्येतर गतिविध

यदि घर में हमारे साथ भी सलीम और आरिफ जैसा बर्ताव किया जाए, तो हाँ, हम भी उनकी तरह एक दिन का अधिकार चाहते हैं।

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 लालची बिल्ली

अभ्यास

खण्ड-अ

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) i; (ख) iii; (ग) i

3. (क) निर्धन, (ख) दलिये, (ग) स्वादिष्ट, (घ) महल, (ङ) रोशनदान

4.

निर्धन	वृद्ध महिला
राजा	महल
मोटी	बिल्ली
दुबली बिल्ली	लालची
बर्तन	मछली

5. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✗

6. (क) झोंपड़ी में एक निर्धन वृद्ध महिला और एक दुबली बिल्ली एक साथ रहते थे।

(ख) वे पतला दलिया खाकर अपना पेट भरते थे।

(ग) दीवार के पास एक मोटी बिल्ली थी।

(घ) मोटी बिल्ली राजा की चौकी के नीचे छिपकर गिरने वाले स्वादिष्ट टुकड़े खाती थी।

(ङ) वृद्ध महिला ने बिल्ली से महल में न जाने की विनती की और कहा कि अगर वहाँ राजा के नौकरों ने तुम्हें चोरी करते हुए देख लिया तो क्या होगा।

(च) कहानी के अंत में दुबली बिल्ली ने लालच में आकर रोशन-दान से छलाँग लगाई और बर्तन में रखी मछली का टुकड़ा उठाकर खाने ही वाली थी कि राजा के नौकर ने उसको देखा और मार डाला।

7. (क) झोपड़ी, (ख) चौकी, (ग) सहेली, (घ) संतुष्ट, (ङ) बिल्ली, (च) प्रसन्न

8. (क) जवान, (ख) असंतुष्ट, (ग) पतली, (घ) पिछले, (ङ) अमीर, (च) रंक

पाठ-9 तेनालीराम का इम्तिहान

अभ्यास

1. (क) तेनालीराम की।

(ख) विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय को।

(ग) आम का।

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) i; (घ) iii

3. (क) बादशाह, दरबारियों; (ख) तेनालीराम; (ग) अशर्फियों; (घ) खजाना

4. (क) बादशाह ने।
दरबारियों से।
वह तेनालीराम की परीक्षा लेना चाहते थे।
(ख) बादशाह ने।
बूढ़े व्यक्ति से।
क्योंकि वह आम का पेड़ लगा रहा था।
(ग) बादशाह ने।
दरबारी से।
क्योंकि बादशाह ने बूढ़े व्यक्ति को तीन थैली दे दी थीं।

5. (क) तेनालीराम को बुलाया क्योंकि तेनालीराम की हाजिरजवाबी और अक्लमंदी बेमिसाल है। बाबर इस बात की सत्यता परखना चाहता था।
(ख) कि यदि तुम पुरस्कार ले आए तो मैं भी तुम्हें एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ दूँगा और अगर तुम पुरस्कार प्राप्त न कर सके तो मैं तुम्हारा सिर मुँडवाकर दरबार से बाहर निकाल दूँगा।
(ग) सोलहवें दिन से तेनालीराम ने दरबार में जाना छोड़ दिया।
(घ) क्योंकि उस इलाके में आम के पेड़ कम पाए जाते हैं।
(ङ) तेनालीराम ने बूढ़े व्यक्ति का वेश धारण किया और जिस रास्ते से बादशाह सैर के लिए निकले उस रास्ते के किनारे आम का पेड़ लगाने लगा। जब बादशाह ने उसे देखा और पूछा–कि तुम ये क्या कर रहे हो तो बूढ़ा बोला, मैं आम का पेड़ लगा रहा हूँ क्योंकि इस इलाके में आम के पेड़ कम हैं इसलिए बिक्री अधिक होगी।'' बादशाह ने कहा–लेकिन आपकी उम्र काफी अधिक है, जब तक ये आम का पेड़ बड़ा होगा तब तक आप नहीं होंगे। बूढ़ा व्यक्ति बोला–मेरे अब्बाजान ने पेड़ लगाया था जिसके फल मैंने खाए थे। अब मैं पेड़ लगा रहा हूँ जिसके फल कोई और खाएगा। यह बात सुनकर बादशाह बहुत खुश हुआ और बूढ़े व्यक्ति को एक थैली अशर्फियों की दी। फिर बूढ़े ने कहा–लोग तो पेड़ के बड़े होने पर फल खएँगे। मुझे तो पेड़ लगाने पर ही फल मिल गया। बादशाह ने फिर एक थैली अशर्फियों की दी। बूढ़ा फिर बोला–पेड़ के बड़े होने पर तब पेड़ एक साल में एक बार फल देगा पर आपने तो मुझे एक दिन में एक पेड़ लगाने के लिए दो बार थैली दे दी। बादशाह ने फिर एक थैली और दी। जब बादशाह जाने लगा तो बूढ़ा व्यक्ति बोला–एक पल इंतजार कीजिए और उसने अपने कपड़े उतार दिए। देखा तो तेनालीराम था। इस प्रकार तेनालीराम ने बादशाह से पुरस्कार प्राप्त किया।

6. (क) एक दिन बाबर रोज की तरह सैर करने निकला।
मैंने राम को एक सेर चावल दिए।
(ख) हँसना सेहत के लिए अच्छा होता है।
हंस एक सुंदर पक्षी है।
(ग) राम के पास बुक खरीदने के लिए 5 रुपये काफ़ी हैं।
राम ने एक कप कॉफी बनाई।

7. (क) खाया, खाता, खाएगा; (ख) गया, जाता, जाएगा; (ग) सुना, सुनाता, सुनेगा; (घ) पढ़ाया, पढ़ता, पढ़ेगा

8. (क) नृप, नरेश, भूपति; (ख) आम्र, रसराज, पिंकबंधु; (ग) वृक्ष, तरु, विटप; (घ) सेवक, दास, परिचारक

9. (क) बूढ़े; (ख) गड्डे; (ग) मुद्राएँ; (घ) थैलियाँ; (ङ) अशर्फियाँ (च) दरबारीगण

पाठ-10 अच्छी सीख

अभ्यास

1. (क) मार्ग में आनो वाली बाधाओं का साहस व हिम्मत से मुकाबला करना और उन्हें परास्त करना।
(ख) पेड़ों से हमें फल, प्राप्त होते हैं।
(ग) हमें अत्याचार का बिना डरे मुकाबला करना चाहिए।

2. (क) iii हवा, (ख) ii सूर्य, (ग) i अंधकार

3. (क) बादल से सीखो औरों की,
जग में प्यास बुझाना।
और सूर्य से सीखो तपकर,
धरती रोशन कर जाना।।
(ख) मछली से सीखो उल्टी,
धारा में लड़कर बह जाना।
अंधकार आए तो नन्हें,
दीपक जैसे लड़ जाना।

4.

सरिता	मार्ग बनाना
हवा	ऊपर उठना
बादल	प्यास बुझाना
सूर्य	धरती को रोशन करना
मछली	उल्टी धारा में लड़कर बहना
दीपक	अँधेरा हटाना
मोती	अंधकार में पलना

5. (क) बादल, (ख) सूर्य, (ग) दीपक, (घ) पर्वत, (ङ) लाली, आना

6. (क) हमें हवा से नभ में ऊपर उठकर छा जाने की सीख मिलती है।
(ख) बादल जग की प्यास बुझाते हैं। वे वर्षा के रूप में बरसकर जग को जल प्रदान करते हैं।
(ग) सूर्य अपनी किरणें फैलाकर धरती को रोशन करता है।
(घ) मोती से हमें गहरे अंधकार में पलने की शिक्षा मिलती है।
(ङ) पर्वत जैसे डट जाना का अर्थ है–जहाँ अत्याचार और अनीति हो वहाँ डटकर मुकाबला करना चाहिए।
(च) इस कविता के रचयिता घनश्याम कुमार 'देवांश' है।

7. (क) नदी (ख) रास्ता (ग) मेघ (घ) धरा (ङ) सूरज (च) मीन (छ) दीया (ज) वृक्ष

8. (क) सूर्य **तपकर** सबको रोशनी प्रदान करता है।
(ख) **दुर्दिन** में परछाई भी साथ छोड़ देती है।
(ग) हमें सदैव ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे हमारी **कीर्ति** चारों ओर फैले।

पाठ-11 मेहनत ही धन है

अभ्यास

1. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) हरिशंकर बहुत आलसी और काम चोर था। इसलिए उसके खेत बंजर हुए जा रहे थे।
(ग) हरिशंकर खेत में गड़े धन को पाने के लिए उतावला हुआ जा रहा था।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) शिरीपुर, (ख) सरस्वती, (ग) मस्तिष्क, (घ) लहलहाने,

4. (क) गाँव वालों ने हरिशंकर से कहा।
(ख) संत ने सरस्वती से कहा।
(ग) हरिशंकर ने संत से कहा।
(घ) संत ने हरिशंकर से कहा।

5. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓

6.

शिरीपुर	गाँव
हरिशंकर	आलसी
सरस्वती	मेहनती
संत	द्रवीभूत
हाहाकार	अकाल
सोने-सी	फसल
मस्तिष्क	पागलपन

7. (क) हरिशंकर शिरीपुर गाँव में रहता था। वह बेहद आलसी व कामचोर व्यक्ति था।
(ख) हरिशंकर के पड़ोसी उसको काम करने के लिए समझाते हैं।
(ग) सरस्वती हरिशंकर के आलसीपन और अकर्मण्यता से बहुत परेशान रहती थी।
(घ) गाँव में अकाल पड़ने पर लोग भूख से मरने लगे। चारों ओर हाहाकार मच गया।
(ङ) गाँव में एक संत आए और वे मीठी वाणी से प्रवचन करने लगे।
(च) लहलहाते खेतों को देखकर हरिशंकर का मन झूम उठा।
(छ) हरिशंकर संत के पैरों में इसलिए गिर पड़ा क्योंकि उन्होंने हरिशंकर की आँखें खोल दीं और अब वह मेहनत का मूल्य जान चुका था।

8. (क) कृषि के दर्शन करने हेतु वह **निरंतर** चलता था।
(ख) तुम्हारा घर बहुत **शानदार** है।
(ग) अच्छी **सलाह** से जीवन सुधर सकता है।
(घ) प्रात: उठकर सबसे पहले माता-पिता को **प्रणाम** करना चाहिए।
(ङ) बच्चों के घर न लौटने पर माँ की **व्याकुलता** बढ़ती हा रही थी।
(च) उसके **मस्तिष्क** में कभी अच्छे विचार नहीं आते।
(छ) **परिश्रम** ही सफलता की कुंजी है।

9. (क) व्यक्ति (ख) अकर्मण्यता (ग) कामचोर (घ) भीषण (ङ) सरस्वती (च) प्रणाम (छ) फव्वारा (ज) खुदाई (झ) मस्तिष्क (ञ) परिश्रम

पाठ-12 धूर्त से दोस्ती

अभ्यास

1. (क) स्वयं कीजिए।
2. (क) i; (ख) iii; (ग) ii
3. (क) मनुष्य; (ख) दोस्ती; (ग) चुगकर; (घ) हमेशा; (ङ) मक्का, पसंद; (च) व्यवहार; (छ) चौराहे
4.

मुर्गा	समय का पाबंद
साँप	बिल
बिरादरी	कुल
दाना	चुगकर
चूहा	धूर्त

5. (क) तोते ने मुर्गे से कहा।
(ख) मुर्गे ने साँप से कहा।
(ग) साँप ने मुर्गे से कहा।
(घ) मुर्गे ने साँप से कहा।
(ङ) मनुष्यों ने मुर्गे के लिए कहा।

6. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✗

7. (क) मुर्गा सुबह के चार बजे बाँग देता था। मनुष्य मुर्गे की बाँग सुनकर अनुमान लगाते थे कि चार बज गए हैं।
(ख) साँप बहुत आलसी था। वह सारा दिन अपने बिल में सोया रहता था। भूख लगने पर ही वह उठता था। उसे शिकार करने में भी आलस आता था।
(ग) एक दिन तोते ने मुर्गे से कहा कि वह बहुत भोला है। बुजुर्गों का कहना है कि मित्रता अपने कुल और बिरादरी में ही फलती-फूलती है। साँप और तुम्हारा कोई मेल नहीं है। डसना साँप की आदत है। वह तुम्हें कभी भी नुकसान पहुँचा सकता है।
(घ) साँप ने मुर्गे से बदला लेने का संकल्प किया क्योंकि मुर्गे ने उसे मक्कार और आलसी कहा था।
(ङ) कहानी के अंत में मक्कार साँप मुर्गे से अपमान का बदला ले लेता है।

8. (क) जागना (ख) शत्रुता (ग) कम (घ) शाम

पाठ-13 दौड़ो-दौड़ो, माधव दौड़ो

अभ्यास

1. (क) माधव से।
(ख) माधव के घर।
(ग) माधव मारो, लाठी मारो।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii
3. मैं चिल्लाया
माधव मारो, लाठी मारो
माधव ने मुड़ के पूछा
साँप या लाठी?
लाठी मारो। मैं चिल्लाया
साँप उठा के मार दी लाठी माधव ने।
4. (क) क्योंकि घर में साँप आ गया था।
(ख) क्योंकि माधव ने साँप उठाकर मार दी लाठी। लाठी टूट गई और साँप रह गया हाथ में।
6. (क) टपका; (ख) काँप; (ग) नीचे; (घ) नारे; (ङ) मराठी; (च) घोड़ा

पाठ-14 अपना-अपना नज़रिया

अभ्यास

1. (क) स्नान।
(ख) शिष्य के।
(ग) सभी का देखने का नजरिया अलग-अलग होता है।
2. (क) iv; (ख) i; (ग) iii

3. (क) गुरुजी ने।
   शिष्य से।
   क्योंकि गुरुजी ने दोनों राहगीरों को अलग-अलग जवाब दिए।
   (ख) गुरुजी ने।
   दूसरे राहगीर से।
   क्योंकि वह जहाँ रहता था वहाँ के लोग नेक दिल और भले इंसान थे।
4. (क) संत को नहाते देख राहगीर वहाँ रुक गया।
   (ख) संत ने कहा कि यहाँ भी कपटी व दुष्ट लोग रहते हैं।
   (ग) दूसरे राहगीर ने संत से पूछा कि यहाँ के लोग कैसे हैं। संत ने उत्तर दिया कि मैं तुम्हारे सवाल का जवाब बाद में दूँगा। पहले तुम मुझे ये बताओ कि जहाँ से तुम आए हो वहाँ के लोग कैसे थे।
   (घ) शिष्य को समझाया कि हर मनुष्य का देखने का नजरिया अलग होता है।
   (ङ) जी हाँ।
5. र — राहगीर, रुक, रहने
   र्‍ — मार्ग, निर्भर, कर्म
   ्र — प्रणाम, ग्राम, प्रशंसा
6.

दंत	घी	गृह	सात
हस्त	मुँह	रात्रि	दही
नयन	हाथ	श्वेत	घर
मुख	दाँत	सप्त	रात
घृत	नैन	दधि	सफेद

7. (क) महात्मा; (ख) चिकित्सालय; (ग) दयानंद; (घ) विद्यालय
8. (क) असभ्य; (ख) सज्जन; (ग) दुर्रात्मा; (घ) अच्छाई
9. (क) साधु, संन्यासी, महात्मा; (ख) विद्यार्थी, चेला, छात्र; (ग) सरिता, तरंगिणी, सलिला; (घ) वतन, राष्ट्र, मुल्क; (ङ) वायु, समीर, पवन
10. (क) संत अपने शिष्य के साथ **स्नान** कर रहे थे।
    (ख) जंगल में जानवरों का **बसेरा** है।
    (ग) **बंधु,** यहाँ अच्छे लोग रहते हैं।
    (घ) यहाँ **दुष्ट** लोग रहते हैं।
    (ङ) शहर और गाँव के **मार्ग** में एक घना जंगल पड़ता है।

पाठ-15 कठिन परिश्रम

अभ्यास

1. (क) मोहन।
   (ख) लकड़ी के व्यापारी के।
   (ग) मोहन ने पहले दिन 20 पेड़ काटे।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iv
3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓
4. (क) मोहन कम पढ़ा-लिखा व परिश्रमी लड़का था।
   (ख) व्यापारी ने मोहन को जंगल में लकड़ी काटने का कार्य दिया।
   (ग) क्योंकि मोहन ने अपने कुल्हाड़ी की धार तेज नहीं करवाई थी।
   (घ) हमें केवल कठिन परिश्रम से ही उन्नति प्राप्त नहीं होती, बल्कि समय-समय पर औजारों को धार देना भी जरूरी होता है, क्योंकि हमारी उन्नति, हमारे औजारों पर ही निर्भर है।
5. (क) दिवस, वार; (ख) वन, अरण्य; (ग) वृक्ष, तरु; (घ) प्रशंसा, बड़ाई
6. (क) ढक्कन, ढोल, ढाई; (ख) पढ़ाई, कढ़ाई, चढ़ाई; (ग) डमरू, डिब्बा, डर; (घ) जड़, लड़ाई, झाड़ू
7. (क) अवनति; (ख) रात; (ग) भूत; (घ) ज्यादा

पाठ-16 थप्प रोटी, थप्प दाल

अभ्यास

1. (क) मुन्नी नीना को पुकारती है।
   (ख) मुन्नी माँ से आटा, घी, दाल, दही, मक्खन, साग, चीनी लाई थी।
   (ग) चुन्नू और टिंकू को बाजार से साग-सब्ज़ी लाने का काम सौंपा गया।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) ii
3. (क) टिंकू ने पकाई बड़ियाँ, चुन्नू ने पकाई दाल, टिंकू की बड़ियाँ जल गईं, चुन्नू का बुरा हाल।
   (ख) बच्चों के सोने पर बिल्ली आती है।
   (ग) ओहो! मक्खन कितना सारा, झट से चट करूँ किनारा। हैं छींके पर यह क्या रखा, आन रही क्या, अगर न चखा? रोटी कैसी गरम-गरम है, घी से चुपड़ी नरम-नरम है। मक्खन रोटी, चावल दाल, जी भी खाया कितना माल। और देखो वह मुन्नी, टिंकू, चुन्नू सारे, खर्राटे भर रहे बेचारे। अब चुपके से सरपट जाऊँ। आलसियों को सबक सिखाऊँ। म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ।
   (घ) हमें बिल्ली का पात्र अच्छा लगा है क्योंकि वह यह सीख देना चाहती थी कि हमें कभी-भी घोड़े बेचकर नहीं सोना चाहिए।
   (ङ) बिल्ली बनी नीना कहती है कि—हाँ, खाऊँगी सौ-सौ बार, जो सोओगे टाँग पसार।
4. (क) मुन्नी, नीना; (ख) बच्चे, दोस्त; (ग) चोरी, पिटाई; (घ) मीठा, खट्टा
5. (क) टिंकू; (ख) आँसू; (ग) रंगमंच; (घ) अंदाज; (ङ) हाँडी; (च) माँगते; (छ) पंक्ति; (ज) फूँक

पाठ-17 दो गप्पी

अभ्यास

1. (क) शेखीबाज को, जो दूर की हाँकते हैं और अपने को सबसे बड़ा बताते हैं।
   (ख) बहुत बड़ा मकान था।
   (ग) बहुत लंबा बाँस था।
2. (क) iv; (ख) iii; (ग) ii
3. (क) झूठ; (ख) बहादुरों; (ग) हिरन; (घ) दरियादिल, उधार
4. (क) देखें कौन बड़ा गप्पी है। शर्त लग गई। जो जीते वह दो सौ रुपये पाए और जो हारे वह दो सौ रुपये दे।
   (ख) यदि वह कह देता कि यह बात झूठ है तो वह शर्त हार जाता और उसे दो सौ रुपये देने पड़ते।

(ग) क्योंकि यदि वह कहता कि यह सच है तो उसे अपने पिताजी का कर्ज चुकाना पड़ता और यदि कहता कि यह झूठ है तो उसे शर्त हार कर दो सौ रुपये देने पड़ते।

(घ) उसने कह दिया कि यह बात झूठ है और उसने दो सौ रुपये दे दिए।

5. अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

6. स्वयं कीजिए।

पाठ-18 वे दिन भी क्या दिन थे

अभ्यास

1. (क) डायरी कुम्मी लिख रही है।

(ख) 17 मई सन् 2155 की रात को।

(ग) पुस्तक रोहित को मिली थी।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) स्थिर; (ख) पुर्जे-पुर्जे; (ग) सिलसिले; (घ) घर

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) सचमुच की पुस्तक।

(ख) एक पुराने डिब्बे में और उसमें पुराने जमाने के स्कूल के बारे में लिखा था।

(ग) पाठ में शिक्षण की पुराने जमाने की पद्धतियों के बारे में बताया गया है।

(घ) कुम्मी को पढ़ाई की पुराने जमाने की पद्धति अच्छी लगी क्योंकि वहाँ बच्चे स्कूल हँसते-खेलते-कूदते जाते थे और पढ़ाने वाले अध्यापक भी स्त्रियाँ और पुरुष थे।

6.

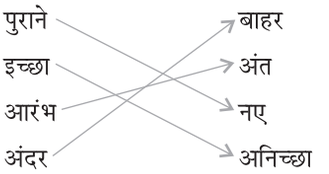

7. (क) आरम्भ; (ख) सम्भव; (ग) अन्दर; (घ) गङ्गा; (ङ) ठण्डा; (च) आनन्द

8. (क) ऐसा लगा मानो सब **स्थिर** हो गया।

(ख) हमें **नियमित** रूप से व्यायाम करना चाहिए।

(ग) तुम गाड़ी बहुत **रफ्तार** से चलाते हो।

(घ) वहाँ हमें **अजीब-अजीब** बातें जानने को मिलीं।

BOOK-5

पाठ-1 निंदिया आई

अभ्यास

खंड-अ

1. (क) एक महल (ख) कुंभकरण रावण का भाई था।

(ग) गरम पकौड़ी खाने से।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i (घ) iii; (ङ) iii

3.

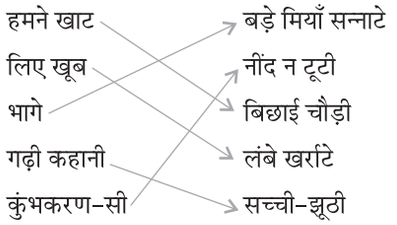

4. सपने में एक महल बनाया,
जोड़-जोड़कर कौड़ी-कौड़ी।
गढ़ी कहानी सच्ची-झूठी,
कुंभकरण-सी नींद न टूटी।

5. (क) नींद आने पर सोने के लिए खाट बिछाई गई।

(ख) नींद को कुंभकरण-सी इसलिए कहा गया है क्योंकि रावण का भाई कुंभकरण बहुत गहरी नींद में सोता था और उठाने पर भी नहीं उठता था।

(ग) सपने में कौड़ी-कौड़ी जोड़कर महल बनाया।

(घ) सपने में महल कौड़ी-कौड़ी जोड़कर बनाया।

(ङ) सपने में घड़ी टिक-टिक कर रही थी जिससे ऐसा लगा जैसे कोई खोपड़ी पर हथौड़ी चला रहा हो।

6. (क) चौड़ी; (ख) टूटी; (ग) सन्नाटे; (घ) भाई

7. सर्प, वर्षा, दर्पण, शर्म

8. (क) कमरे में बहुत **सन्नाटा** था।

(ख) मैंने बहुत अच्छा **सपना** देखा।

(ग) मुझे बहुत **नींद** आ रही है।

(घ) यह **कहानी** बहुत अच्छी है।

(ङ) मेरा भाई बहुत तेज **खर्राटे** लेता है।

9. (क) सोचकर; (ख) नहाकर; (ग) पढ़कर; (घ) दौड़कर; (ङ) जाकर

10. (क) नींद; (ख) चारपाई; (ग) चुप्पी; (घ) बनाई; (ङ) सिर; (च) स्वप्न

पाठ-2 मज़ा और सज़ा

अभ्यास

1. (क) दो भाई थे। (ख) पैदल। (ग) बाग की मेड़ पर।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii (घ) iii

3. (क) जामुन; (ख) किताबें; (ग) जामुनों; (घ) बंदरों; (ङ) होश

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✗

5. (क) किताबों को बारिश से बचाने के लिए रज्जू-मज्जू अपनी किताबों को पन्नियों में लपेटकर झोले में रखते थे।

(ख) पके जामुन देखकर रज्जू-मज्जू का मन ललचा गया। उन्होंने अपने झोले बाग की मेड़ पर रख दिए और ढेला-पत्थर मार-मारकर

जामुन तोड़ने लगे।

(ग) बंदरों ने उनके झोलों को देखा और पेड़ों से उतरकर उनको खोल-खखोल डाला। पन्नियों में लिपटी किताबों और कॉपियों को खाने की चीजें समझकर वे निकाल ले गए। उन्होंने सारी किताबें और कॉपियाँ फाड़ डालीं।

(घ) रज्जू और मज्जू ने देखा कि उनकी किताबों और कॉपियों के फटे हुए पन्ने पेड़ों की टहनियों पर पत्तों में अटके फड़फड़ा रहे हैं। यह देखकर दोनों के होश उड़ गए।

6. (क) वे अभी बच्चे थे।

(ख) पके जामुन नीचे आ गिरते।

(ग) अचानक पेड़ों पर बंदरों की आवाजें आईं।

(घ) वहाँ डालियों पर बैठकर उन्होंने पन्नियों को फाड़ा।

7. (क) हँसना बच्चों का **हँसना** अच्छा लगता है।

(ख) लिखना रमा को पत्र **लिखना** अच्छा लगता है।

(ग) बैठना मेरे बेटे को घोड़े पर **बैठना** है।

(घ) जाना मुझे घर **जाना** है।

8. (क) शहर; (ख) कच्चे; (ग) बदसूरत; (घ) गलत; (ङ) बदबू; (च) ऊपर

9. (क) फूलों की **खुशबू** मनमोहक होती है।

(ख) शेर को सामने देख रमेश के **होश उड़** गए।

(ग) आज **मौसम** बहुत सुहावना है।

10. फ्रॉक, कॉपियाँ, डॉक्टर, बॉल

11.

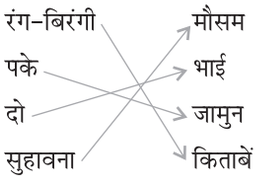

पाठ-3 आगे बढ़ने का रहस्य

अभ्यास

1. (क) अपना हुनर किसे सिखाए।

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) i; (घ) iii

3. (क) सिलवाने; (ख) बेसहारा; (ग) ग्राहकों; (घ) गोविंदराव; (ङ) आहिस्ता; (च) रहस्य

4. (क)✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓

5. (क) गोविंदराव एक होशियार दर्जी था किंतु अब वह बूढ़ा होने लगा था इसलिए वह अपना काम किसी को सिखाना चाहता था।

(ख) गोविंदराव के पास देबू नाम का लड़का रहने लगा था क्योंकि वह भूखा और बेसहारा था और काम करना चाहता था।

(ग) देबू के काले दस्ताने खो गए थे यही उसकी परेशानी का कारण था।

(घ) देबू को अपने काम और नाम पर घमंड होने लगा था।

(ङ) देबू को अपने दस्ताने अनाज की बोरी के पीछे दिखाई दिए। रात में वे तकिए से खिसककर गिर गए थे। जिन्हें चूहा अपने बिल में खींच ले गया था।

(च) हमें अपने जीवन में परिश्रम से आगे बढ़ना चाहिए।

6. (क) रामू की **दुकान** बाजार में है।

(ख) हमें **बेसहारा** लोगों की मदद करनी चाहिए।

(ग) आज दुकान पर बहुत **ग्राहक** आए।

(घ) हमें भीड़ में **आहिस्ता** से चलना चाहिए।

(ङ) कल हमने **जादूगर** का कार्यक्रम देखा।

(च) तुम्हें अच्छा बनने की **कोशिश** करनी चाहिए।

(छ) इस किताब में एक **रहस्य** छिपा है।

7. (क) डाकू जेल से भाग गए।

(ख) बहुत बड़े पेड़ दिखाई दिए।

(ग) उसके पास खड़े लड़के चिल्ला रहे थे।

(घ) राघव ने सरकस से टिकट लिए।

8. (क) दर्जी; (ख) चश्मा; (ग) बेसहारा; (घ) आहिस्ता; (ङ) अक्सर; (च) मित्र; (छ) सीखना; (ज) जादूगर

पाठ-4 बंदर और लोमड़ी

अभ्यास

1. (क) बंदर

(ख) खर्राटे भने की

(ग) चाँद

(घ) बंदर ने लोमड़ी से पूछा कि क्या बिना सहारे कोई चीज आसमान में अटकी रह सकती है।

(ङ) फल फेंकने से।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii (घ) i

3. (क) बंदर; (ख) चाँद; (ग) असफल; (घ) छपाक; (ङ) कँटीली

4. (क) लोमड़ी ने।

बंदर से।

बंदर ने लोमड़ी से उसके खर्राटों की शिकायत की।

(ख) बंदर ने।

लोमड़ी से।

जब लोमड़ी ने बंदर की चाँद के लटके होने की बात नहीं मानी।

5.

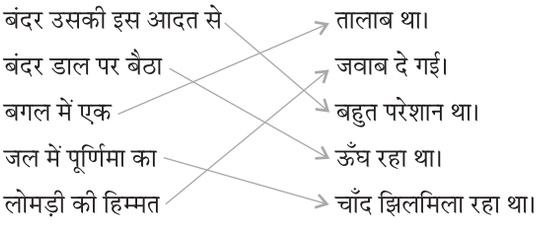

6. (क) बंदर लोमड़ी से उसके खर्राटे के कारण परेशान था।

(ख) बंदर ने लोमड़ी से छुटकारा पाने के लिए उससे कहा कि चाँद बिना सहारे के आसमान में लटका है। उसने फल तोड़कर तालाब में फेंक दिया और लोमड़ी से कहा कि चाँद तालाब में गिर गया, वह बच गई

अन्यथा उसके सिर पर गिरता। लोमड़ी इससे डर गई और वहाँ से भाग गई।

(ग) अंत में लोमड़ी ने गड्ढे में बनी एक माँद में शरण ली।

7. (क) रात्रि, निशा, रजनी; (ख) वानर, कपि, हरि; (ग) वन, अरण्य, कानन; (घ) गगन, अंबर, नभ

8. (क) हर व्यक्ति को अपने कर्मों का फल जरूर मिलता है।

मुझे आम का फल बहुत पसंद है।

(ख) चुनावों में विपक्ष को हार प्राप्त हुई।

कृष्णा के गले में फूलों का हार है।

(ग) जल ही जीवन है।

वह आग से जल गई।

9. (क) इसलिए; (ख) और; (ग) बल्कि; (घ) इसलिए; (ङ) मानो

पाठ-5 दोस्ती

अभ्यास

1. (क) गौरेया का जोड़ा

(ख) क्योंकि चिनमिन अंडों को सेती थी।

(ग) टूटे हुए अंडों को देखकर।

(घ) मेघनाद (ङ) टर्र टर्र

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) ii; (घ) i

3. (क) चीकू और भोलू कौए ने।

चिनमिन से।

चिनमिन रो पड़ी थी क्योंकि हाथी ने उसके अंडे तोड़ दिए थे।

(ख) चीकू ने।

भोलू से।

हाथी ने चीकू के अंडे तोड़ दिए इसलिए हाथी को सबक सिखाने के लिए।

4. (क) इस तरह घोंसले में रखे अंडे टूट गए।

(ख) टूटे अंडों को देखकर चिनमिन ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी।

(ग) सबको मेघनाद की सलाह बहुत पसंद आई।

(घ) चीकू, भोलू और वीना तीनों मेघनाद मेंढक के पास गए।

(ङ) इस तरह छोटे-छोटे जीवों ने मिलकर अक्ल से हाथी जैसे बड़े जीव को मार गिराया।

5. (क) चीकू और चिनमिन को अपने अंडों से बच्चों के बाहर निकलने का बेसब्री से इंतजार था।

(ख) चीकू ने भोलू से कहा कि ''इस दुष्ट हाथी ने घमंड में आकर हमारे बच्चों की जान ली है। इसे तो इसका दंड मिलना ही चाहिए।''

(ग) हाथी को मारने में चीकू की सहायता भोलू कौए, वीना मक्खी और मेघनाद मेंढक ने की।

(घ) हाथी की आँख भोलू कौए ने फोड़ी।

(ङ) छोटे जीव होने पर भी सभी ने अपनी अक्ल से विशालकाय हाथी को मार गिराया।

(च) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी जीव को छोटा नहीं समझना चाहिए।

6. (क) खुश, भाववाचक (ख) चीकू, चिनमिन, व्यक्तिवाचक; (ग) वीना, व्यक्तिवाचक; (घ) मेघनाद, व्यक्तिवाचक; (ङ) हाथी, तालाब, जातिवाचक

7. (क) मण्डल; (ख) घण्टा; (ग) चन्दन; (घ) दण्डित; (ङ) शङ्कर; (च) अण्डा

8. (क) शत्रु; (ख) नापंसद; (ग) कठिन; (घ) संत; (ङ) कटु; (च) छोटा

9. (क) स्वीटी बहुत **अक्लमंद** है।

(ख) मुझे बहुत अच्छी **तरकीब** सूझी।

(ग) कौआ बहुत **प्यासा** था।

(घ) हाथी एक **विशालकाय** जानवर है।

पाठ-6 अक्कड़-मक्कड़

अभ्यास

1. (क) अक्कड़-मक्कड़ इसलिए लड़े, क्योंकि उन दोनों में किसी बात को लेकर बहस हो गई थी।

(ख) धुँआधार लड़ाई को देखकर लोगों के चेहरे खिले थे।

(ग) कविता के रचनाकार का नाम भवानीप्रसाद मिश्र है।

2. (क) मूँछ; (ख) दाढ़ी; (ग) फिर वो

3.

वह अब जीता	जो ठहरे
इस झगड़े का	हुए थे चेहरे
लोग तमाशाई	नहीं नतीजा
सबके खिले	वह अब जीता

5. (क) दोनों की लड़ाई का नतीजा इसलिए नहीं निकला, क्योंकि लड़ाई का कोई विशेष कारण नहीं था। वे दोनों मूर्ख थे। एक फक्कड़ व्यक्ति द्वारा समझाने पर उन्होंने लड़ाई बंद कर दी।

(ख) दोनों का झगड़ा एक फक्कड़ व्यक्ति ने रुकवाया।

(ग) फक्कड़ व्यक्ति ने दोनों को समझाया कि तुम आपस में प्रेम से रहने की बजाय लड़ रहे हो, तुम्हें तो चुल्लूभर पानी में डूबकर मर जाना चाहिए।

6. (क) राम और श्याम दोनों में आगे निकलने की **बात ठन** गई।

(ख) संजय अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन नहीं करता; अत: उसे चुल्लूभर पानी में डूबकर मर जाना चाहिए।

(ग) दो आदमियों के बीच झगड़ा होते देख लोगों के चेहरे खिल उठे।

(घ) मयंक को चोरी करते हुए जब उसके भाई ने देखा तो वह शर्म से पानी-पानी हो गया।

7. (क) इस झगड़े का नहीं नतीजा।

(ख) ताकत लड़ने में मत खोओ।

(ग) चलो भाई-चारे को बोओ।

(घ) लोग शर्म से परे, हट गये।

पाठ्येतर गतिविधि

- यदि स्कूल से घर जाते समय हमें दो लड़के आपस में लड़ते हुए मिलें तो

ऐसे में हम फक्कड़ जैसा बन जाएँगे क्योंकि फक्कड़ बनकर हम उनसे स्पष्ट और सही बात करके झगड़े को शांत करने की कोशिश करेंगे। जबकि तमाशाई आदमी तो सिर्फ लड़ाई का आनंद उठाते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि लड़ाई में कौन मर रहा है और कौन किसे मार रहा है।

- दो आदमी थे। वे मूर्ख और ढीठ थे। वे एक अस्थायी बाजार से एक साथ लौट रहे थे, तभी अचानक दोनों में किसी बात को लेकर बहस होने लगी। बहस होते-होते दोनों में लड़ाई होने लगी। कोई किसी की गरदन पकड़कर भीच रहा था तो दूसरा उसकी दाढ़ी पकड़कर खींच रहा था। वहाँ खड़े लोग आपस में बातें करके लड़ाई का भरपूर आनंद ले रहे थे और कह रहे थे कि अब यह जीता तो अब यह जीता। तभी एक फक्कड़ व्यक्ति आया जो मन का बहुत सच्चा किंतु व्यवहार से क्रोधी और रूखा था। उसने तेज आवाज में और स्पष्ट भाषा में दोनों को समझाया कि तुम दोनों भाई-भाई के समान होकर लड़ रहे हो, तुम्हें आपस में मिलकर प्रेम से रहना चाहिए और तुम पागलों की तरह लड़ रहे हो। अत: तुम्हें तो चुल्लूभर पानी में डूबकर मर जाना चाहिए। दोनों मूर्ख फक्कड़ की ये बातें सुनकर शर्म से पानी-पानी हो गए। लड़ना छोड़कर अलग हट गए और जो लड़ाई का आनंद उठा रहे थे वे भी लज्जित होकर वहाँ से चले गए। फिर दोनों मूर्ख आपस में गले मिले और लड़ाई समाप्त हो गई।

पाठ-7 दायाँ-बायाँ

अभ्यास

1. स्वयं कीजिए।
2. (क) i; (ख) iii; (ग) iii; (घ) i
3. (क) बायाँ, दायाँ; (ख) निवाले; (ग) चाबुक; (घ) तकलीफ
4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✓
5. (क) दायाँ और बायाँ राजा के दो हाथ थे।
   (ख) खाली समय में दायाँ और बायाँ एक-दूसरे के नाखून काटते, हथेलियाँ मलते। एक दूसरे की पीठ खुजलाते और कभी ये दोनों बैठे-ठाले आपस में उँगलियाँ लड़ाया करते थे।
   (ग) दायाँ और बायाँ को एक बुरी आदत थी। राजा जब कोई बात करता तो वे दोनों उसकी बातों की नकल करने लगते।
   (घ) राजा की किसी दुश्मन से लड़ाई होने पर दायाँ फौरन तलवार खींच लेता और बायाँ ढाल सँभाल लेता।
   (ङ) वजीर ने राजा को किले की मीनार में बंद किया।
6. (क) तुमने **ख्वाम-ख्वाह** यहाँ आने की परेशानी उठाई।
   (ख) मुझे आपसे पूरी **हमदर्दी** है।
   (ग) नहाते समय **साबुन** अवश्य लगाना चाहिए।
   (घ) पैदल चलने से मुझे **तकलीफ** होती है।
   (ङ) राजू देश का **गद्दार** नागरिक है।
7. (क) बुरा, (ख) गलत, (ग) सुबह, (घ) आखिरी, (ङ) ज्यादा, (च) दिन
6. (क) र – रथ रज रंक
   (ख) ॅ – मूर्ख धूर्त फुर्र
   (ग) ्र – प्रसन्न व्रत प्रथा
7. कॉल, डॉट, कॉपी, डॉक्टर

खंड-ब

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 चिट्ठी

अभ्यास

1. स्वयं कीजिए।
2. (क) iii; (ख) ii
3. (क) रोक; (ख) पढ़ने; (ग) कुछ, घर, मोर
4. (क) सुमित को यह जानकर अच्छा लगा कि उसका मित्र रवि चौथी कक्षा पास करके पाँचवीं कक्षा में आ गया है।
   (ख) दोनों मित्रों ने पिछले साल की गर्मी की छुट्टियाँ गाँव में बिताई थीं।
   (ग) रवि की बहन का पैर पेड़ पर चढ़ते हुए फिसल गया था।
   (घ) थानेदार से भेलपूरी की तारीफ सुनकर अम्मा का सीना गर्व से फूलकर चौड़ा हो गया।

पाठ-9 कागज की आत्मकथा

अभ्यास

1. (क) यह आत्मकथा कागज की है।
   (ख) पहले लोग पेड़ के पत्तों, लकड़ी, छाल, चमड़ा आदि पर लिखते थे।
   (ग) साइलून नामक व्यक्ति चीन का निवासी था,जिसने कागज का आविष्कार किया था।
2. (क) चीन; (ख) सेलुलोज; (ग) पेपर बनाने में
3. (क) क्वालिटी; (ख) पेपीरस; (ग) क्राफ्ट
4. (क) कागज का आविष्कार चीन के निवासी साइलून नामक व्यक्ति ने किया था।
   (ख) कागज बनाने के लिए पहले लकड़ी के लट्ठों को काटा और छीला जाता है, फिर उसमें पानी मिलाकर आग पर पकाया जाता है। इस प्रकार, लुगदी तैयार की जाती है। इस लुगदी को तार की जाली से छाना जाता है और फिर पानी निकली इस लुगदी को दबाकर कागज की परत बनाई जाती है।
   (ग) कागज को इस बात का दुख है कि उसे बनाने के कारण लाखों पेड़ काट डाले जाते हैं। आज पेड़ों के कटने से संसार में तरह-तरह की समस्याएँ उत्पन्न होती जा रही हैं।
5. असंभव; मोटा; असुरक्षित; दुरुपयोग
6. पुल्लिग; पुल्लिंग; स्त्रीलिंग; स्त्रीलिंग
8. न्न; न्न; ब्ब; च्च

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 अशरफ़ का उड़नखटोला

अभ्यास

1. (क) अशरफ चलती बस से उतर रहा था इसलिए अडा ने अशरफ को डाँट लगाई।
   (ख) विज्ञान का

(ग) हवाईजाहज का

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iv; (घ) ii

3. (क) सेगुन ने।

अशरफ़ से।

क्योंकि अशरफ़ अपने मित्रों को अपनी नई खोज दिखाना चाहता था।

(ख) अशरफ़ ने।

यूजीन, सेगुन से।

क्योंकि अशरफ़ ने उन्हें उड़नतश्तरी के नाम पर पेड़ दिखाया।

4. (क) मैदान; (ख) स्वादिष्ट; (ग) कॉकपिट; (घ) खिसकने; (ङ) गद्‌गद्

5. (क) अशरफ़ ने हवाईजहाज बनाया था।

(ख) सेगुन और यूजीन अशरफ़ के मित्र थे। अशरफ़ ने उन्हें अपने हवाईजहाज में उड़ने के लिए अपने घर बुलाया था।

(ग) अशरफ़ ने आम के पेड़ को अपना हवाईजहाज बनाया था।

(घ) अशरफ़ के दोस्तों ने बाकी बच्चों को भी अशरफ़ के हवाईजहाज के बारे में बता दिया था जबकि वह कोई हवाईजहाज़ नहीं बल्कि एक पेड़ था। इस कारण अशरफ़ को सबके सामने शर्मिंदा होना पड़ा। इसलिए अशरफ़ दु:खी हुआ।

(ङ) विज्ञान की किताब में सूरज की गर्मी से अंडा उबालने का आविष्कार का प्रयोग दिया गया था।

6. (क) मैं भी जरूर आऊँगा।

(ख) अशरफ़ को चारों तरफ से बच्चों ने घेर रखा था।

(ग) तुम अपनी करतूतों से कभी बाज नहीं जाओगे।

7. (क) बाकी काम धीरे-धीरे चल रहे थे।

(ख) इतनी जल्दी मत मचाओ।

(ग) वह झट-से बस के दरवाज़े की ओर लपका।

(घ) अशरफ़ को चारों तरफ से बच्चों ने घेर रखा था।

8. (क) जल्दी से; (ख) माता; (ग) विद्‌यालय; (घ) खोज; (ङ) निरीक्षण; (च) प्रतीक्षा; (छ) घोषणा; (ज) युक्ति/विचार

9. (क) पेड़ से गिरकर राजू के **अंजर-पंजर** ढीले हो गए।

(ख) अशरफ़ के मित्र ने हवाईजहाज़ का **मुआयना** किया।

(ग) अशरफ़ अपनी **काल्पनिक** दुनिया में रहता था।

पाठ-11 राजू और काजू

अभ्यास

1. (क) राजू और काजू (ख) बाजार (ग) भीड़

2. (क) i; (ख) ii; (ग) iii; (घ) iv

3. (क) भीड़ बाज़ार में लगी थी।

(ख) सभी जगह दुकानें सजी थीं।

(ग) सभी दुकानें दीये, पटाखे, फुलझड़ियाँ, सुर्री, हवाइयाँ, गोले और चटाखे से भरी थीं।

4. (क) कुत्ता, छत्ता; (ख) अन्न, भिन्न; (ग) मम्मी, सिम्मी; (घ) उच्च, बच्चा; (ङ) दिल्ली, बिल्ली; (च) रस्सी, हिस्सा

5. (क) कच्चा; (ख) बड़ी; (ग) उधर; (घ) पतली; (ङ) अंदर; (च) अनेक

6. (क) विद्‌यालय; (ख) प्रकाश; (ग) चिकित्सक; (घ) यातायात; (ङ) कलम; (च) रेल; (छ) अध्यापक; (ज) अस्पताल

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 तिल का ताड़, राई का पहाड़

अभ्यास

1. (क) हट्‌टे-कट्‌टे लंबे-तगड़े

(ख) गुड़ लेने

(ग) बरसात का मौसम है न! नमक और गुड़ तो गीले होंगे ही। माल में खामी हो तो कहना।

(घ) एक तिनका (ङ) बाट

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) iii; (घ) iii; (ङ) i

3. (क) पंसारी; (ख) मक्खियों; (ग) दुश्मनी; (घ) नुकसान; (ङ) आपा

4. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗

5. (क) आदमी ने गुड़ का तिनका उठाया और अंगुली के झटके से सामने फेंक दिया।

(ख) तिनके को दीवार पर चिपका देखकर मक्खियाँ तिनके पर आ गईं। मक्खियों को देख छिपकली मक्खियों को निगलने आई। छिपकली को देख बिल्ली छिपकली पर झपटी। बिल्ली को देखकर कुत्ते ने बिल्ली पर छलाँग मारी और बिल्ली तेजी से पंसारी की दुकान में घुस गई। इसी भाग-दौड़ में पंसारी की कई मटकियाँ फूट गईं। पंसारी का नुकसान हो गया। गुस्से में पंसारी ने अपना आपा भूलकर जोर से एक बाट कुत्ते की ओर फेंका जो कुत्ते के ललाट पर लगा। यह देखकर सामान खरीदने आए आदमी को गुस्सा आ गया और उसने पंसारी को चाँटा जड़ दिया। सभी लोग इकट्‌ठे हो गए और बात हाथापाई तक पहुँच गई।

(ग) जब बिल्ली और कुत्ते की भाग-दौड़ से पंसारी का नुकसान हो गया तथा पंसारी ने गुस्से में आकर आदमी के कुत्ते की ओर एक बाट फेंका जिससे कुत्ते के सिर से खून निकल आया तो वह आदमी यह बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसने पंसारी को चाँटा जड़ दिया।

(घ) 'तिल का ताड़' का अर्थ है-छोटी सी बात को बढ़ाना। जैसे कि इस कहानी में छोटे से तिनके के ऊपर पूरे गाँव में कोहराम मच गया।

(ङ) पंसारी की दुकान की कई मटकियाँ फूट गईं। बतासे, चीनी, मिर्च-मसाले, दालें बिखर गईं और सारा तेल फैल गया।

(च) जवान द्‌वारा पंसारी के चाँटा मारने पर पंसारी हाय-तौबा मचाने लगा जिससे आस-पास की दुकान वाले एकत्र हो गए। उधर जवान के कबीले वाले भी आ गए। तू-तू मैं-मैं से बात बढ़ी और बात हाथापाई तक पहुँच गई। सैकड़ों लोगों की भीड़ उतर आई। बात इतनी बढ़ी कि पुलिस तक पहुँच गई। पुलिस आई और लोगों को ढूँढ़-ढूँढ़ कर पकड़ने लगी। काम-धंधा छोड़ लोग छिपने-छिपाने लगे।

6. (क) बिल्लियाँ; (ख) छिपकलियाँ; (ग) मक्खियाँ; (घ) मटकियाँ

7.

आस्तीन का साँप	कपटी मित्र
कमर सीधी करना	थकान मिटाना
छक्के छुड़ाना	बुरी तरह हराना
पत्थर की लकीर	पक्की बात
कान भरना	चुगली करना

8. (क) लंबे-तगड़े जवान।

(ख) दो-तीन मक्खियाँ उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं।

(ग) बोनी के समय सीधा-सादा ग्राहक आया।

(घ) सैकड़ों लोगों की भीड़ उतर आई।

9. (क) सेवा; (ख) बुढ़ापा; (ग) चोरी; (घ) कारीगरी; (ङ) घरेलू; (च) मित्रता; (छ) मिठास; (ज) गर्मी

पाठ-13 पतंगबाजी का प्रयोजन

अभ्यास

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) iii

3. (क) विद्यार्थी, अध्ययन; (ख) सफलता; (ग) शास्त्रार्थ; (घ) आश्रम; (ङ) सवाल; (च) पतंगबाजी, प्रयोजन; (छ) आशीर्वाद, संक्रांति

4.

बहुत समय	की बात है।
उनके पढ़ाने का	तरीका भी अनोखा है।
आज मकर	संक्रांति का त्योहार है।
इसके पश्चात् दोनों	पेंच लड़ाने लगे।
शिष्य कुछ	भी नहीं बोला।
इस दिन पतंग	उड़ाना शुभ माना जाता है।

5. (क) गुरु जी का आश्रम महाराष्ट्र में था।

(ख) गुरु जी के पास अध्ययन करने दूर-दूर से विद्यार्थी इसलिए आते थे क्योंकि गुरु जी नियमित शिक्षा के साथ व्यावहारिक शिक्षा पर भी बहुत जोर देते थे। उनके पढ़ाने का तरीका भी अनोखा था।

(ग) मकर संक्रांति के त्योहार पर पतंग उड़ाना शुभ माना जाता है।

(घ) चकरी दो अन्य शिष्यों ने पकड़ी हुई थी।

(ङ) गुरु जी ने शिष्य से कहा कि क्या वह बता सकता है कि यह पतंगें आकाश में इतनी ऊँचाई तक कैसे पहुँची।

(च) गुरु जी ने शिष्य की पतंग काटी और उससे पूछा कि उसकी पतंग को तो अभी और ऊँचाई पर होना था जबकि गुरु जी की पतंग डोर की सहायता से ऊँचाई पर बनी हुई है।

(छ) शिष्य गुरु जी के चरणों में इसलिए गिर पड़ा क्योंकि अब उसको गुरु जी की सारी बातें समझ आ चुकी थी।

6. (क) पतंग उड़ाने का यह तरीका **अनोखा** है।

(ख) मुझे पढ़ाने का अच्छा **तरीका** आता है।

(ग) गुरु जी का **शिष्य** चतुर है।

(घ) अर्जुन सब योद्धाओं में **श्रेष्ठ** था।

(ङ) **मैदान** में बच्चे खेल रहे थे।

7. (क) नीच; (ख) निराधार; (ग) अंत; (घ) ताकतवर; (ङ) अवनति; (च) बंधन; (छ) आकाश; (ज) अशांत

8. (क) शिष्य, छात्र; (ख) विचित्र, निराला; (ग) उन्नति, विकास; (घ) धरती, पृथ्वी; (ङ) आशीष, मंगलकामना

पाठ-14 बादल बरसे रे

अभ्यास

1. (क) उमड़-घुमड़ कर।

(ख) अंडे।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) कविता में कपड़े-लत्ते समेटने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि बारिश आने पर उनके भीगने का डर होता है।

(ख) सूरज की छुट्टी हो गई और पेड़-पौधों की मौज आ गई।

(ग) झिलमिलाती बूँदें नालियों और नालों से मिलने चलीं।

(घ) मोर नाच रहे हैं और पपीहे गा रहे हैं।

3. कल ही बोली थी अम्मा
लो चिड़ियाँ धूल नहारती।
और फौज की फौज चींटियाँ
अंडे लेकर जाती।
बरसेगा जब मेह
समेटो कपड़े-लत्ते रे।
बादल बरसे रे।

4. (बादल) (अंडे) (हो गई)

भाषा ज्ञान

१. (क) देखो, दरवाजे पर कोई दस्तक दे रहा है।

(ख) अजय के पिता जी फौज में हैं

(ग) आजकल सभी उपकरण बिजली से चलते हैं।

(घ) डाल पर बैठा पपीहा गा रहा है।

2.

आँख	नेत्र	चक्षु	नदी	सरिता	सरि	
सिंह	शेर	केसरी	बिजली	विद्युत	चपला	
कपड़े	वस्त्र	वसन				

3. (क) वाचाल (ख) सत्यवादी (ग) मूक

4. खरगोश ने बकरे से विनती की, ''बकरे चाचा! कुछ शिकारी कुत्ते मेरा पीछा कर रहे हैं। तुम मुझे अपनी पीठ पर बैठाकर कहीं दूर ले चलो तो मेरे प्राण बच जाएँगे, वरना वे मुझे मार डालेंगे।''

पाठ-15 किताबवाला

अभ्यास

1. (क) कोलंबिया का।

(ख) किताबों से।

(ग) एलफा और बीटा।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) iv; (घ) iv

3. (क) मुनासिब; (ख) डाकू; (ग) लुईस; (घ) मुखौटों

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗

5.

लुईस	सुनसान
एल्फा, बीटा	गाँव
रास्ता	हट्टे-कट्टे गधे
इलटोरमेंटो	किताबों से प्यार

6. (क) लुईस कोलंबिया का रहने वाला आदमी था और वह अपनी किताबों से बहुत प्यार करता था।

(ख) लुईस ने अपने गधों पर किताबें लादीं। उसने उनकी पीठ पर किताबें रखने के लिए क्रेट बनाई और उस पर एक तख्ती-गधे पर किताबघर, लिखकर टाँग दी।

(ग) लुईस के पास कुछ धन की जगह किताब देखकर डाकू का पारा चढ़ गया।

(घ) बच्चों ने अपनी-अपनी पसंद की एक-एक किताब चुन ली।

7.

(क) उसने एक किताब रख ली।	जातिवाचक
(ख) उसका नाम था—लुईस।	व्यक्तिवाचक
(ग) अगली बार मुझे चाँदी चाहिए।	जातिवाचक
(घ) उसे किताबों से बहुत प्यार था।	भाववाचक
(ङ) बच्चे हमारा इंतजार कर रहे होंगे।	जातिवाचक

8.

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
सूरज	पत्नी
डाकू	चाँदी
घर	तख्ती
जंगल	मोमबत्ती
	पहाड़ी
	किताब

9. (क) सूर्य, दिनकर, दिवाकर; (ख) वन, अरण्य, कानन; (ग) जल, नीर, तोय; (घ) रात्रि, निशा, रजनी

10. (क) उपहार; (ख) उपन्यास; (ग) उपवन; (घ) उपयुक्त; (ङ) उपकार; (च) उपहास

पाठ-16 झोंपड़ी

अभ्यास

1. (क) विधवा महिला।

(ख) एक कन्या के साथ रहती थी। वकीलों को अधिक पैसा देकर उसने विधवा महिला को डराया।

(ग) विधवा ने जमींदार से कहा ''जब से यह झोंपड़ी छूटी है, तब से मेरी पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया है। मैंने बहुत-कुछ समझाया पर वह एक नहीं मानती। यही कहा करती है कि अपने घर चल, वहीं रोटी खाऊँगी। अब मैंने यह सोचा है कि इस झोंपड़ी में से एक टोकरीभर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी। इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी। कृपा करके आज्ञा दें तो इस टोकरी में मिट्टी ले जाऊँ।''

(घ) वह उस मिट्टी का चूल्हा बनाती और उस पर खाना पकाकर पोती को खिलाती।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) i

3. (क) श्रीमान जमींदार, बेसहारा; (ख) जमानें; (ग) पोती, वृद्धाकाल; (घ) निष्फल; (ङ) झोंपड़ी, टोकरियाँ

4. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) बुढ़िया ने जमींदार से; (ख) जमींदार ने बुढ़िया से; (ग) बुढ़िया ने जमींदार से; (घ) बुढ़िया ने जमींदार से

6. (क) जमींदार साहब को अपने महल का अहाता झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।

(ख) विधवा के बुढ़ापे का एकमात्र सहारा उसकी (पतोहू) पोती थी।

(ग) जब से विधवा ने यह सुना कि जमींदार उसकी झोंपड़ी को गिराना चाहता है तब से विधवा मृतप्राय हो गई थी।

(घ) विधवा ने जमींदार से प्रार्थना की कि वह झोंपड़ी से उसे एक टोकरी मिट्टी ले जाने की अनुमति दे दे जिससे वह उस मिट्टी का चूल्हा बनाकर अपनी पोती के लिए खाना बना सके।

(ङ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी बेसहारा के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए।

(च) कहानी के अंत में विधवा बुढ़िया की जीत हुई।

7. (क) लचीले; (ख) नौकरी; (ग) मैली; (घ) कूल्हा; (ङ) खोपड़ी; (च) चिट्टी

8. (क) राजू के घर के पास एक **अनाथ** रहता है।

(ख) **जमींदार** बहुत लालची आदमी था।

(ग) जमींदार के सभी कार्य **निष्फल** हुए।

(घ) गरीबों व बड़ों की सेवा करना हमारा **कर्त्तव्य** है।

(ङ) बच्चे विद्यालय में रोज **प्रार्थना** करते हैं।

9.

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
जमींदार	विधवा
महाराज	पोती
पड़ोस	श्रीमती
वकील	झोंपड़ी
थैला	मिट्टी

10. (क) दूरदर्शी; (ख) जिज्ञासा; (ग) दयालु; (घ) न्यायप्रिय; (ङ) प्रेमी

पाठ-17 नाटक में नाटक

अभ्यास

1. (क) क्योंकि नाटक की पूरी तैयारी नहीं हुई थी।

(ख) क्योंकि उसके हाथ में चोट लगी थी।

(ग) मोहन चित्रकार बना था।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) i; (घ) iii; (ङ) ii

3. (क) इज़्ज़त; (ख) हिदायतें; (ग) लोट-पोट; (घ) परदा

4. (क) मोहन ने सोहन से; (ख) चित्रकार ने शायर से; (ग) राकेश ने चित्रकार से

5. (क) राकेश अभिनय नहीं कर पाया क्योंकि फुटबॉल खेलते समय वह अचानक गिर पड़ा और उसके हाथ में चोट लग गई थी। हाथ को

एक पट्टी में लपेटकर गर्दन के सहारे लटकाए रखना पड़ता था।

(ख) राकेश को चोट फुटबॉल खेलते हुए लग गई थी।

(ग) नाटक में सब कुछ बेकार हुआ। सभी कलाकार अपने-अपने संवाद भूलकर एक-दूसरे से लड़ने लगे थे।

(घ) राकेश ने मंच पर आकर दर्शकों को यह दिखाया कि वे कलाकार नाटक न करके नाटक की रिहर्सल कर रहे थे।

(ङ) राकेश ने नाटक को 'बड़ा कलाकार' नाम दिया।

6. (क) राकेश ने बात सँभाली। — व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ख) दर्शक सब शांत थे। — जातिवाचक संज्ञा

(ग) दूसरे चाहे उसकी मूर्खता पर हँस रहे हों। — भाववाचक संज्ञा

(घ) चित्रकार कहता है कि उसकी कला महान है। — जातिवाचक संज्ञा

(ङ) मेरी शायरी गाजर-मूली है तो तेरी चित्रकला झाड़ू फेरना। — जातिवाचक संज्ञा

7. (क) **दर्शक** हँसी से लोट-पोट हो रहे थे।

(ख) राकेश ने सबकी **इज़्ज़त** बचाई।

(ग) राकेश की कलाकारी देखकर सभी लोग **भौंचक्के** रह गए।

(घ) यह मैदान **सार्वजनिक** है।

8. (क) पुराने; (ख) जवाब; (ग) श्वेत; (घ) धोखा; (ङ) अनावश्यक; (च) भारी

9. (क) मंच; (ख) अक्लमंदी; (ग) सँभाल; (घ) संवाद; (ङ) शांत; (च) संगीतकार

10. ज — गाजर, बाजार, रोज

ज़ — इज़्ज़त, ज़ोर, नाज़

11. (क) हार का सामना करना।

विपक्षी टीम को हमारे सामने मुँह की खानी पड़ी।

(ख) हैरान होना।

कल के मैच में कप्तान का प्रदर्शन देख सब भौंचक्के रह गए।

पाठ-18 टिपटिपवा

अभ्यास

1. (क) छत से पानी को टपकना - टिपटिपवा था।

(ख) धोबी का गधा कहीं चला गया था। वह उसी के बारे में पूछने के लिए पंडित जी के पास गया।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) कहानियाँ; (ख) झोंपड़ी; (ग) संयोग; (घ) अचानक, घबरा; (ङ) बचानी, चुपचाप; (च) कचूमर

4.

एक दिन मूसलाधार	बैठ गया
पोता उठकर	बारिश हुई
बाघ दुम दबाकर	धोबी रहता था
गाँव में एक	बारिश
टिपटिपवा	भाग चला

5. (क) बुढ़िया — बुढ़िया अपने पोते से परेशान थी।

(ख) बाघ — बाघ टिपटिपवा से परेशान था।

(ग) धोबी — धोबी भी गधा खोने से परेशान था।

(घ) पंडित — पंडित जी बारिश के जमा पानी से परेशान थे।

(ङ) गाँव — सारा गाँव बारिश से परेशान था।

6. (क) यदि धोबी रास्ते में ही बाघ को पहचान लेता तो वह डर जाता।

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) मूसलाधार बारिश से सभी के घरों में पानी भर जाता है। सभी काम रुक जाते हैं। बाहर जाने में कठिनाई होती है।

(घ) नहीं, पंडित जी के पोथी-पतरे में किसी समस्या का कोई समाधान नहीं होता।

7. (क) पोता रोज़ रात में सोने से पहले अपनी दादी से कहानी सुनने की जिद करता था।

(ख) बुढ़िया ने अपने पोते से खीझकर कहा, 'अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब ना'।

(ग) बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था।

(घ) धोबी की पत्नी ने धोबी से कहा कि वह गधे के बारे में गाँव के पंडित जी से जाकर पूछे। वे बड़े ज्ञानी हैं। उन्हें आगे-पीछे सबकी खबर होती है।

(ङ) पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे।

(च) बाघ बुढ़िया की बातें सुनकर टिपटिपवा से डर गया था। जब धोबी ने उस पर हमला किया तो उसे लगा कि टिपटिपवा ने उस पर हमला कर दिया है और वह मार-मारकर उसकी जान ले लेगा। इस कारण धोबी को टिपटिपवा समझकर बाघ भीगी बिल्ली बनकर उसके पीछे-पीछे चल दिया।

(छ) सुबह जब गाँववालों ने धोबी के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधे देखा तो उनकी आँखें खुली की खुली रह गईं।

8. (क) दिन; (ख) वियोग; (ग) शहर; (घ) अज्ञानी; (ङ) छोटा; (च) अंदर; (छ) आगे; (ज) पतला

9.

बुढ़ीया	बुढ़िया	बुड़िया
झोंपड़ी	झौंपड़ी	झोंपड़ि
बारीस	बारिश	बरिश

10. (क) कल रात **मूसलाधार** बारिश हुई।

(ख) सभी लोग राम के लौटने की खबर से **बेखबर** थे।

(ग) **संयोग** से कल मेरा मित्र मुझे मिल गया।

(घ) बारिश का पानी सभी के लिए **मुसीबत** बन जाता है।

पाठ-19 क्रिसमस और सांता क्लॉज की कहानी

अभ्यास

1. (क) 25 दिसंबर (ख) 25 दिसंबर को येरुशलम में। (ग) लाल रंग की।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) iv; (ङ) i

3. (क) क्रिसमस; (ख) पशुशाला; (ग) लोकप्रिय; (घ) सोने

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓

5.

क्रिसमस का त्योहार	हॉलैंड का निवासी
ईसा मसीह का जन्मस्थल	उपहार दिए जाते हैं
संत निकोलस	25 दिसंबर
क्रिसमस पर बच्चों को	येरुशलम

6. (क) ईसा मसीह के जन्म के समय आकाशवाणी हुई कि "संसार का दु:ख दूर करने और सबको प्रेम का संदेश देने के लिए ईश्वर के पुत्र का जन्म हो चुका है।"

(ख) संत निकोलस चुपके-से गरीब परिवार के मकान की छत पर चढ़ गए और चिमनी से उन्होंने काफी सारे सोने के सिक्के गिरा दिए।

(ग) आज क्रिसमस उतना धार्मिक त्योहार नहीं रहा जितना सामाजिक उत्सव, जिसमें खाना-पीना, मौज-मस्ती और मिलना-जुलना आदि किया जाता है।

7. (क) आकर्षण; (ख) उपहार; (ग) आकाशवाणी; (घ) स्वाभिमान; (ङ) प्रशिक्षण; (च) हॉलैंड; (छ) प्रार्थना; (ज) ईश्वर

8. (क) जो बेहद अमीर थी।

(ख) घरों में अँधेरा किया जाता है।

(ग) तीनों बहनें बहुत सुखी रहती थीं।

(घ) इसे एक काल्पनिक व्यक्ति के जीवन की नकल पर बनाया गया है।

9. (क) उपहार, उपकार, उपहास; (ख) प्रकार, प्रहार, प्रदान

10. (क) कि; (ख) कि; (ग) की; (घ) की; (ङ) की

11. (क) बच्चियाँ; (ख) बारहसिंगे; (ग) सिक्के; (घ) बहनें; (ङ) चिमनियाँ; (च) तारे; (छ) भाषाएँ; (ज) मोज़े

पाठ-20 मातृभूमि की प्रशंसा

अभ्यास

1. (क) मातृभूमि की। (ख) मातृभूमि की रज से
(ग) हाँ (घ) मातृभूमि

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) हम खेलें-कूदें हर्ष-युक्त जिसकी प्यारी गोद में,
हे मातृ भूमि तुमको निरख मग्न क्यों न हो मोद में
पाकर तुमको सभी सुखों को हमने भोगा,
तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा।

(ख) जिस पृथ्वी में मिले हमारे पूर्वज प्यारे,
उससे हे भगवान! कभी हम रहें न न्यारे।
लोट-पोट कर वहीं हृदय को शांत करेंगे,
उससे मिलते समय मृत्यु से नहीं डरेंगे।

4.

लोट-लोट कर	बड़े हुए हैं।
सरक-सरक कर	खड़े हुए हैं।
खेलें-कूदें	हर्ष-युक्त
सुरस-सार	सनी हुई है।
वहीं हृदय को	शांत करेंगे
भव-बंधन	मुक्त हम

6. (क) हम घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं।

(ख) हम मातृ भूमि की गोद में खेलते-कूदते हैं।

(ग) हमारे पूर्वज प्यारे धरती में मिले हैं।

(घ) इस कविता के रचयिता मैथिलीशरण गुप्त जी हैं।

(ङ) इस कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।